मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, मंगलवार, 22 अप्रैल 2025
संवत 2082, वैशाख कृष्ण 10 - मूल्य 2 रुपये
वर्ष-8, अंक 227, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका

सैफ अली खान ने कतर में खरीदा आलीशान बंगला... ◂◂ 6

वन भूमि घोटाले को लेकर ईडी की कार्रवाई

रांची- बोकारो के 15 ठिकानों पर छापेमारी

- वन भूमि घोटाले में कंस्ट्रक्शन कंपनी से जुड़े लोगों के ठिकानों पर दी दबिश
- बोकारो डीसी, सीओ और फॉरेस्ट ऑफिस में ईडी की रेड

संवाददाता

रांची: राजधानी रांची के लालपुर स्थित हरिओम टावर सहित कई इलाकों में मंगलवार सुबह से ही ईडी की टीम रेड जारी है। सूचना के अनुसार यह कार्रवाई कंस्ट्रक्शन कंपनी से जुड़े लोगों की ठिकानों में की जा रही है। वर्ष 2023 में भी जीएसटी संबंधित मामलों लेकर कंस्ट्रक्शन कंपनी पर ईडी द्वारा कार्रवाई की गई थी। अब 2025 में एक बार फिर ईडी ने दबिश दी है।

प्रवर्तन निदेशालय झारखंड में एक बार फिर सक्रिय हो चुकी है आज राजधानी रांची में तड़के सुबह से ही एईडी की टीम शहर के अलग-अलग हिस्सों में कार्रवाई कर रही है। जानकारी के अनुसार राजवीर कंस्ट्रक्शन के ठिकानों पर कारवाई चल रही है। राजवीर कंस्ट्रक्शन के तीन मालिक हैं वीर अग्रवाल, पुनीत अग्रवाल और विमल अग्रवाल।

एक दर्जन ठिकानों पर रेडः ईडी द्वारा रांची और बोकारो में आधा दर्जन भू-माफिया, कई बिल्डर, कई अंचलकर्मी के घर और कार्यालय में रेड चल रहा है। मंगलवार की सुबह करीब छह बजे से ईडी की टीम ने रेड शुरू किया। अब तक की छापेमारी में क्या कुछ बरामद हुआ है, इसकी जानकारी फिलहाल नहीं मिल पाई है।

बता दें कि इससे पूर्व झारखंड सीआईडी ने बोकारो के सेक्टर 12 थाना में दर्ज कांड संख्या 32/2024 को टेकओवर कर अपनी जांच शुरू की थी। जमीन माफिया को लेकर बोकारो वन प्रमंडल के प्रभारी वनपाल सह वनरक्षक रुद्र प्रताप सिंह ने शिकायत दर्ज करवाई थी। जांच के बाद पता चला कि बोकारो में अधिकारी और भू-माफियाओं ने मिलकर 117 एकड़ जमीन फर्जी दस्तावेज के आधार पर बेच दिए। जिससे अब इस मामले में ईडी की भी एंट्री हो गई है।

बंगाल से बने फर्जी कागजातः बोकारो वन भूमि घोटाले में जिन वन भूमि को भू-माफिया और अधिकारियों के मिलीभगत से फर्जी कागजात के आधार पर बेचा गया है, उनके ओरिजिनल डाक्यूमेंट्स बंगाल के पुरुलिया में मौजूद है। जिस जमीन को फर्जी कागजात के आधार पर बेचा गया है, वह 117 एकड़ से ज्यादा है और उसका फैलाव पश्चिम बंगाल तक है। दरअसल, 117 एकड़ जमीन बोकारो इस्पात संयंत्र को वापस करना था, लेकिन उसे वापस नहीं किया गया। बाद में इस भूमि को भू-माफिया ने फर्जी कागजातों के आधार पर हस्तांतरित करवाते हुए पूरी जमीन ही गबन कर लिया। इस मामले में इजहार हुसैन, अख्तर हुसैन, शैलेश कुमार सिंह, रघुनाथ सिंह, जैन सिंह, सचिन प्रसाद पांडे, सत्येंद्र सत्यार्थी माधव प्रसाद सिन्हा और आरबी सिंह को आरोपी बनाया गया है। सभी के खिलाफ पूर्व से सीआईडी जांच चल रही है, लेकिन अब इस घोटाले की जांच में ईडी भी शामिल हो गई है।

ये है मामलाः सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई बोकारो में हुए वन भूमि घोटाले से जुड़े तथ्यों को लेकर की जा रही है। मामला वर्ष 2022 का बताया गया है। आरोप है कि इस मामले में बोकारो में प्रशासनिक अधिकारियों ने एक कंपनी को वन विभाग की 74.38 एकड़ जमीन आवंटित कर दी थी। इसी वर्ष जनवरी में ही बोकारो के वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार ने उत्तरी छोटानागपुर के आयुक्त से इसकी शिकायत की थी।

आलोचना के बीच उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का बड़ा बयान, कहा-

संसद ही सर्वोच्च, इससे ऊपर कोई नहीं

नई दिल्लीः उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संविधान में निर्धारित भारतीय सरकार के ढांचे के भीतर न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र पर फिर से सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि संसद (यानी विधानमंडल) सर्वोच्च है और निर्वाचित प्रतिनिधि (यानी सांसद) संविधान के 'अंतिम स्वामी' हैं। उनसे ऊपर कोई प्राधिकारी नहीं हो सकता। मंगलवार सुबह दिल्ली विश्वविद्यालय में एक कार्यक्रम में धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट पर अपने पिछले हमलों की आलोचना पर भी पलटवार किया। उन्होंने कहा कि किसी संवैधानिक पदाधिकारी (खुद का जिक्र करते हुए) द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित द्वारा निर्देशित होता है। जगदीप धनखड़ ने कहा कि आपातकाल लगाने वाले प्रधानमंत्री को 1977 में जवाबदेह ठहराया गया था। इसलिए, इस बारे में कोई संदेह नहीं होना चाहिए - संविधान लोगों के लिए है और यह इसकी सुरक्षा का भंडार है निर्वाचित प्रतिनिधि। वे संविधान की सामग्री के बारे में अंतिम स्वामी हैं। संविधान में संसद से ऊपर किसी भी प्राधिकारी की कल्पना नहीं की गई है। संसद सर्वोच्च है और ऐसी स्थिति में, मैं आपको बता दूं, यह देश के प्रत्येक व्यक्ति जितना ही सर्वोच्च है।

धनखड़ ने कहा कि किसी भी लोकतंत्र के लिए हर नागरिक की अहम भूमिका होती है। मुझे यह बात समझ से परे लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि संवैधानिक पद औपचारिक या सजावटी हो सकते हैं। इस देश में हर किसी की भूमिका के बारे में गलत समझ से कोई भी दूर नहीं हो सकता, चाहे वह संवैधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक। उन्होंने कहा कि मेरे हिसाब से नागरिक सर्वोच्च है क्योंकि एक राष्ट्र और लोकतंत्र नागरिकों द्वारा ही निर्मित होता है। उनमें से हर एक की अपनी भूमिका होती है। लोकतंत्र की आत्मा हर नागरिक में बसती है और धड़कती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र तभी फलेगा-फूलेगा, उसके मूल्य तब बढ़ेंगे जब नागरिक सजग होंगे, नागरिक योगदान देंगे और नागरिक जो योगदान देते हैं, उसका कोई विकल्प नहीं है। उपराष्ट्रपति ने याद दिलाया कि किस प्रकार इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था और किस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय ने देश के 9 उच्च न्यायालयों के फैसलों को खारिज करते हुए मौलिक अधिकारों के निलंबन के पक्ष में फैसला सुनाया था।

सीजेआई पर टिप्पणी कर फंसे निशिकांत दुबे

सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती, मामले को अगले हफ्ते किया लिस्ट

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना पर विवादित बयान देकर बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे अगले हफ्ते के लिए लिस्ट कर दिया है। अदालत में पेश हुए वकीलों ने दुबे के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने की मांग की है। वकीलों का कहना है कि दुबे का बयान सिर्फ अदालत की गरिमा को ठेस नहीं पहुंचाता, बल्कि सोशल मीडिया पर भी सुप्रीम कोर्ट को लेकर अपमानजनक टिप्पणियों की बाढ़ ला दी है। उन्होंने अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल को पत्र लिखकर इस पर सहमति मांगी है, लेकिन अब तक सरकार की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कहा कि मामला गंभीर है और इसे अगले हफ्ते सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। सुनवाई के दौरान वकील ने कहा, बीजेपी सांसद ने कहा कि भारत में गृह युद्ध के लिए उखक जिम्मेदार हैं। यह अब तक का सबसे गंभीर हमला है न्यायपालिका पर।

वकीलों की मांग है कि सुप्रीम कोर्ट सोशल मीडिया से संबंधित विवादित वीडियो को हटाने का आदेश दे, जिससे न्यायपालिका की साख को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण मामला नहीं है, बल्कि अदालत की अवमानना से जुड़ा मुद्दा है, जिस पर ठोस कार्रवाई जरूरी है। अब सबकी निगाहें अगले हफ्ते होने वाली सुनवाई पर टिकी हैं, जिसमें तय होगा कि सुप्रीम कोर्ट इस विवाद पर क्या रुख अपनाता है और क्या सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही आगे बढ़ेगी।

निशिकांत दुबे के खिलाफ एक्शन, सुप्रीम कोर्ट रजिस्ट्री ने किया क्रिमिनल कंटेंप्ट याचिका दर्ज

रांचीः सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने पूर्व आईपीएस अधिकारी और आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर द्वारा सुप्रीम कोर्ट में गोड्डा, झारखंड के भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे के खिलाफ दायर क्रिमिनल कंटेंट याचिका को प्राथमिक स्तर पर स्वीकार कर उसे डायरी संख्या 21177/2025 के रूप में दर्ज कर लिया है।

अमिताभ ठाकुर ने अपनी याचिका में कहा है कि डॉ निशिकांत दुबे ने एक मीडिया इंटरव्यू में सुप्रीम कोर्ट से जुड़ी तमाम टिप्पणियां की थी। इनमें कई ऐसी बातें थी जो कोर्ट के क्रियाकलापों के प्रति एकेडमिक टिप्पणी के रूप में देखी जा सकती है, किंतु इसके विपरीत कई टिप्पणियां स्पष्ट रूप से अवमानना पूर्ण थी। इनमें सुप्रीम कोर्ट तथा मौजूदा चीफ जस्टिस को देश के सभी गृह युद्ध तथा धार्मिक युद्धों के लिए जिम्मेदार ठहराए जाने का आरोप शामिल है। ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट से डॉ निशिकांत दुबे के विरुद्ध कंटेंप्ट ऑफ कोर्ट एक्ट में नियमानुसार कार्रवाई किए जाने की प्रार्थना की है।

दमोह में दर्दनाक सड़क हादसा

अनियंत्रित होकर पुल से नीचे नदी में गिरी जीप, आठ की मौत, छह गंभीर

,1,बॉटम

दमोहः जिले के नोहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनवार चौकी के महादेव घाट पुल के पास मंगलवार दोपहर एक बोलेरो अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गई। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत गंभीर होने पर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया। मृतक जबलपुर जिले के पौड़ी व आसपास गांव के निवासी हैं। यह लोग बांदकपुर से दर्शन कर घर वापस जा रहे थे।

सूचना मिलने के बाद कलेक्टर सुधीर कोचर और एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी घटना स्थल पहुंचे। उसके बाद जिला अस्पताल आकर घटना के बारे में जानकारी दी। मृतकों को शासन की ओर से मुआवजा राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी।

मृतक के परिजन गोविंद सिंह ने बताया सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं। अलग-अलग चार पहिया वाहन से बांदकपुर दर्शन के लिए मंगलवार सुबह आए थे। यहां से दर्शन कर वापस गांव जा जा रहे थे। तभी बनवार के महादेव घाट पुल से एक बोलेरो नीचे गिर गई। वाहन में 13 लोग सवार थे, जिसमें 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई और सात घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। वहां दो घायलों ने भी दम तोड़ दिया और बाकी पांच घायलों की हालत गंभीर होने पर ग्रीन कारीडोर बनाकर जबलपुर रेफर किया गया। सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं।

मौके पर पहुंचे कलेक्टर, एसपी : सूचना मिलते ही कलेक्टर सुधीर कोचर और एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी घटना स्थल पहुंचे और ग्रामीणों से घटना की जानकारी लेने के बाद वापस जिला अस्पताल रवाना हुए। कलेक्टर कोचर ने बताया महादेव घाट के पुल के मोड़ पर यह हादसा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया बलेरो की रफ्तार अधिक थी, जिसे चालक नियंत्रित नहीं कर पाया। इस कारण बोलेरो नीचे जा गिरी। जानकारी लेने के बाद मृतकों को शासन की ओर से उचित मुआवजा राशि उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही पुल पर जो भी आवश्यक कार्य होंगे वह भी शुरू कराए जाएंगे।

बारातियों से भरी तेज रफ्तार पिकअप हुई हादसे का शिकार, 7 की मौत, 26 घायल

सीधीः मध्यप्रदेश के सीधी जिले में बारातियों को ले जा रहे एक पिकअप वाहन के हादसे का शिकार होने से उसमें सवार सात लोगों की मौत हो गई। कल देर रात हुए इस हादसे में 26 लोग घायल हैं। हादसा सीधी जिले के आदिवासी बाहुल्य कुसमी अंचल के उमरिया गांव के समीपी बहेरा डोल में हुआ। तेज रफ्तार में बारातियों को लेकर जा रही पिकअप के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने पर 7 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई और 26 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को ग्रामीणों की मदद से पास के अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बहेरा डोल निवासी प्रेमलाल बैगा की बारात रविवार को शहडोल के देवलोंद स्थित गाड़ा नकुनी गई थी। सोमवार देर रात बारात वहां से आते समय भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे के 9 घायलों को रीवा रेफर किया गया है।

न्यूज ब्रीफ

तंबोली समाज की बैठक में लिए गये कई निर्णय

सिल्ली: तंबोली हितैषी समिति शाखा सिल्ली की एक बैठक अंबेडकर पार्क में अशोक कुमार चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में समाज के विकास और संगठन को मजबूत करने को लेकर विचार विमर्श किया हैं। अशोक चौधरी ने कहा समाज के दबे कुचले लोगों को विकास के मुख्यधारा से जोड़ना इस बैठक का मुख्य उद्देश्य है। मौके पर दिलीप दे,रामकुमार आश,सौरभ आश,देवाशीष दत्ता,नितेश चौधरी, विष्णु लाहा, सुब्रतो चौधरी उर्फ बाबुल, कलाचंद चौधरी,रिंकी चौधरी,प्रवीण लाहा,अमर महादानी,विवेक लाहा,षष्ठी पदो लाहा व अन्य मौजूद थे।

सोनेट प्रीमियर लीग : पंकज कुमार की धुआंधार पारी

रांची : सोनेट प्रीमियर लीग के तहत यहां पर खेले जा रहे हैं । आज एक मैच में सोनेट थंडर्स की टीम ने सोनेट वॉरियर्स को 6 विकेट से पराजित कर अपना विजय अभियान जारी रखा वॉरियर्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 18.5 ओवर में 135 रन बनाकर ऑल आउट हो गया । जिसमें नाजिम सिद्दीकी ने 35 और ईशान ने 25 रनों का योगदान दिया। पंकज ने तीन विकेट लिए जबकि टैंस ने 23 रन देका 3 विकेट झटके। शिवम को दो विकेट मिले जवाबी पारी में थंडर्स की टीम ने 17.4 ओवर में 4 विकेट पर 136 रन बनाकर मैच को जीत लिया। इस जीत के में पंकज कुमार ने शानदार 94 रनों की पारी खेली विकास ने 10 रन बनाए नाजिम और ओम को एक-एक विकेट मिले पंकज को उनके शानदार खेल के लिए मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

पांडे गणपत राय के 167वें शहादत दिवस पर दिग्गजों ने दी श्रद्धांजलि

रांची : स्वतंत्रता सेनानी और 1857 के महानायक पांडे गणपत राय के 167वें बलिदान दिवस पर रांची शहीद चौक जिला स्कूल के निकट उनकी प्रतिमा पर फूल चढ़ा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी।
इस मौके पर स्वतंत्रता सेनानी के वंशज और उत्तराधिकारी डॉ बंदना राय ने कहा कि पांडे गणपत राय का बलिदान दिवस और जयंती पूरे देश में धूमधाम से मनाई जानी चाहिए । कहा कि उनके बलिदान को देश के हर इंसान को याद रखना चाहिए। इस मौके पर रांची जिले के चर्चित समाजसेवी निपु सिंह ने कहा कि पांडे गणपत राय जैसा महान पुरुष के चलते ही आज देश को आजादी मिली और हम लोग सुख चैन से रह रहे हैं । 1857 के विद्रोह में ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव, शेख भिखारी, नीलांबर पीतांबर, और टिकैट उमरांव सिंह के साथ मिलकर अंग्रेजों से लड़ाई की थी । पांडेय गणपत राय को लोहरदगा के एक घर से अंग्रेजों ने पकड़ कर उनको पैदल रांची ले आया और 21 अप्रैल को रांची के जिला स्कूल के गेट के निकट एक कदंब के पेड़ के डाली में लटकाकर फांसी दे दी ।
इस मौके पर श्रद्धांजलि देने वाले में से डॉ वंदना राय, निपु सिंह सहित हजारों लोगों ने उनकी प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

पेड़ से लटका मिला महिला का शव, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

चतराः जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बभने पंचायत अन्तर्गत चंदला पहाड़ जंगल से सोमवार को पुलिस ने पेड़ से झूलते एक महिला का शव बरामद किया।पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारकर पहचान की। शव की पहचान प्रतापपुर थाना क्षेत्र के बभनें गांव निवासी संगीता देवी(28) पति सुनिल पासवान के रूप में की गई है। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया। इस घटना को महिला के माइके वाले ने हत्या का आरोप लगाया है।मृतक के परिजनों ने बताया की पति सुनिल पासवान के द्वारा हमेशा झगड़ा किया जाता है। परिजनो ने बताया कि पहली पत्नी की रहते दुसरी शादी करने चाहते थे। इस बात से संगीता देवी काफी परेशान थी। कई बार दोनो के झगड़े को समझौता के माध्यम से शांत कराया गया था। पति सुनिल पासवान दूसरी शादी करने की नीयत से पहली पत्नी की हत्या कर साक्ष्य मिटाने के लिए उसके शव को महुआ के पेड़ से लटकाकर आत्महत्या का रूप दे दिया। परिजनो से सवाल किया है कि जिस तरह से शव को लटकाया गया है। वहां कोई भी महिला पेड़ पर चढ़कर आत्महत्या नही कर सकती। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वही महिला के पति के अलावे अन्य लोग फरार है। इस संबंध में थाना प्रभारी कासिम अंसारी ने बताया की चंदला पहाड़ के जंगल में एक महिला की शव को पेड़ झूलते बरामद किया गया है। इस घटना में प्रथम दृष्टया प्रतित हो रहा है की महिला के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किया गया है। बाकी की कारवाई परिजनो के आवेदन के आधार पर की जाएगी।दोषियो को किसी भी हालत में नही बख्शा जाएगा।

गर्मी से परेशान दो हनुमान पहुंचे गांव

गिद्धौर (चतरा): अत्यधिक गर्मी पड़ने तथा जंगल में आग लगाए जाने के कारण जंगली जानवर अब जंगल से गांव की ओर दस्तक देने लगे है। दो हनुमान अपनी प्यास बुझाने को लेकर इधर उधर भटकते गांगपुर मुस्लिम मोहल्ला आ पहुंचे। जहां मुस्लिम मोहल्ले के लोगों ने प्यासे हनुमान को पानी व खाना दिया। बड़े प्रेम से हनुमान ने पानी पिया तथा भोजन के रूप में फल ग्रहण किया। इसके बाद वे तृप्त हुए। जिसे देखने मोहल्ले वासियों की भीड़ जुट गई। बहरहाल अपनी प्यास बुझा कर तथा फल खाकर पुनः जंगल की ओर चले गए। बताया जाता है कि जंगली क्षेत्र में पानी संचय नहीं होने तथा जंगल में आग लगाने के कारण जंगली जानवर भूख प्यास से जंगल से गांव की ओर आ जाते है।

पंचायत सचिव ने की अबुआ आवास की जांच

गिद्धौर (चतरा): प्रखंड मुख्यालय अन्तर्गत सलगा गांव में पंचायत सचिव दिगम्बर पांडेय ने सोमवार को लगभग एक दर्जन अबुआ आवास निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान पंचायत सचिव दिगम्बर पांडेय ने बताया कि कई अबुआ आवास लाभुकों का छत ढलाई के लिए तीसरी किस्त की राशि देनी है। जिसका जिओ टैग कर भुगतान किया जाएगा। साथ ही स्थल का जांच कर लाभुकों को अबुआ आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया है।

मंत्री हफीजुल हसन के बयान के खिलाफ भाजपा की आक्रोश रैली

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : भारतीय जनता पार्टी के ने आज मंगलवार को जिला मुख्यालय में एक आक्रोश रैली निकाली। इस रैली के जरिए भाजपा ने झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री हफीजुल हसन को बर्खास्त करने की मांग की। संविधान के अपमान का लगाया आरोपः भाजपा की यह रैली उपायुक्त कार्यालय पहुंची और यहां राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें कहा गया कि झारखंड राज्य वर्तमान राज्य सरकार के कारण संवैधानिक संकट से गुजर रहा है। संविधान की शपथ लेकर पद पर आसीन होने वाले मंत्री संवैधानिक मयार्दाओं को तार तार कर रहे हैं।बताते चलें कि विगत दिनों मंत्री हफीजुल हसन द्वारा यह बयान दिया गया कि हम कुरान को दिल में और संविधान को हाथ में रखते हैं। साथ ही मंत्री ने यह भी कहा कि मेरे लिए शरीया पहले और संविधान बाद में। यह बयान संविधान की गरिमा का उल्लंघन है। ऐसे बयानों और मानसिकता की वजह से राज्य में उन्मादी शक्तियों का मनोबल बढ़ रहा है। परिणाम यह है कि सनातनी पर्व-त्योहार दशहरा, रामनवमी, सरस्वती पूजा, शिवरात्रि, सरहुल के दौरान राज्य में विशेष

समुदाय के उपद्रवियों द्वारा पत्थरबाजी, मारपीट, दंगा फसाद और आगजनी जैसी घटनाओं को बड़े पैमाने पर अंजाम दिया जा रहा है। राज्य की विधि व्यवस्था ध्वस्त हो रही है। भाजपा ने ज्ञापन के माध्यम से राज्यपाल से आग्रह किया कि हमारी पार्टी का स्पष्ट मानना है कि राज्य में संवैधानिक संकट की स्थिति है। जिस संविधान की शपथ लेकर वे सत्ता सुख प्राप्त कर रहे हैं, उसी का उल्लंघन भी कर रहे हैं। अतः आप राज्य को संवैधानिक संकट से दूर करने के लिए मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने के लिए मुख्यमंत्री को निर्देशित करें। रैली में भाजपा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता समेत सैंकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

ट्रक-हाइवा के बीच टक्कर एनएच 22 दो घंटे रहा जाम

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः जिले के वशिष्ठ नगर थाना क्षेत्र के जोरी मेन बाजार देवी मण्डप के समीप चतरा - डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर सोमवार की अहले सुबह करीब 6 बजे ट्रक व हाइवा में जोरदार टक्कर हो गई। जिससे दो घंटे तक मुख्य पथ पर जाम लग गया।हादसे में गनीमत रही कि दोनों वाहन के चालक और उप बाल - बाल बच गए। दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के बीच सड़क में खड़े हो जाने से चतरा डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर दोनो तरफ से वाहनों की लंबी कतार लग गई।
मुख्य पथ के दोनों तरफ लगा जामः घटना की सूचना मिलते ही वशिष्ठ नगर जोरी पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को मुख्य पथ के किनारे

लगवाया। उसके बाद आवागमन शुरू हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रक चतरा की ओर से जबकि हाइवा हंटरगंज की ओर से आ रही थी। इसी बीच जोरी देवी मण्डप के समीप चतरा - डोभी मुख्य पथ एनएच 22 पर पत्थर लदे हइवा के ड्राइवर को नींद आ गई और उसकी सामने से आ रही ट्रक से भिड़ंत हो गई। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि वाहन चलाते समय मोबाइल पर बात करने से बचें । जीवन अनमोल है। नशे व नींद में वाहन न चलाए। इसकी सुरक्षा हम सभी को स्वयं करनी होगी। ओवरटेक से बचें। सड़कों पर चलने के लिए सभी लोगों को जागरूक करें। ताकि दुर्घटना से बचा जा सके।

जमीन विवाद को लेकर अंचल में दिया आवेदन

गैर मजरुआ जमीन पर बन रहे अबुआ आवास पर सीओ ने लगाई रोक

रैयती जमीन पर ही आवास बनाएं गैरमजरुआ जमीन पर नहीं

मेट्रो रेज संवाददाता

गिद्धौर (चतरा): प्रखंड के बारियातु पंचायत अंतर्गत मसूरिया गांव में दो गुटों में वर्षों से चल रहे जमीन विवाद मामले में सीओ अनंत सयनम विश्वकर्मा ने सोमवार को निष्पादन करने को लेकर दोनों पक्षों को अंचल कार्यालय बुलाया। सीओ अनंत सयनम विश्वकर्मा ने बताया कि मसोमात निरमा देवी ने गांव के भुनेश्वर यादव, चूरामन यादव,चंद्र यादव,बीरेंद्र यादव व एक अन्य के द्वारा जमीन संबंधी विवाद को

लेकर सिमरिया एसडीओ को आवेदन दिया था। जिसे लेकर दोनों पक्षों को बुलाकर कागजात की मांग किया। सीओ ने बताया कि जो जमीन का विवाद दोनों पक्षों में है। उस जमीन का मामला कोर्ट में चल रहा है। साथ ही चूरामन यादव द्वारा गैरमजरूआ भूमि पर बनाए जा रहे आवास निर्माण कार्य को सीओ ने रोक लगा दिया है। उन्होंने कहा कि रैयती जमीन पर ही आवास बनाएं,गैरमजरुआ जमीन पर नहीं। इस मौके पर बड़ा बाबु हसमुद्दीन अंसारी समेत अन्य मौजूद थे।

'जैन क्लासिक कलेक्शन'

पारंपरिक व वेस्टर्न वस्त्र शोरूम का हुआ उद्घाटन

मेट्रो रेज संवाददाता

चतरा : शहर (मेन रोड) में एक भव्य समारोह में नए पारंपरिक एवं वेस्टर्न वस्त्र शोरूम का उद्घाटन हुआ। यह नया शोरूम 'जैन क्लासिक कलेक्शन' शहर के मेन रोड में स्थित है। यह शोरूम सलवार सूट, साड़ियों और लहंगों का एक विस्तृत संग्रह प्रस्तुत करता है।उद्घाटन समारोह में पुरुलिया सांसद ज्योतिर्मय महतो और चतरा सांसद कालीचरण सिंह सहित स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों, व्यापारियों और उत्साही ग्राहकों सहित कई लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर शोरूम के मालिक जितेंद्र जैन ने वेस्टर्न और पारंपरिक भारतीय वस्त्रों की सुंदरता और विविधता को चतरा के लोगों तक पहुंचाने के अपने दृष्टिकोण को साझा किया। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले कपड़ों और अद्वितीय डिजाइनों पर जोर दिया जो सभी उम्र के लोगों को पसंद आएंगे। शोरूम में प्रवेश करने पर, आगंतुकों का स्वागत रंगीन और सुरुचिपूर्ण परिधानों के शानदार प्रदर्शन से हुआ। रेशम, कपास और जॉर्जेट जैसे विभिन्न कपड़ों में जटिल कढ़ाई, जीवंत रंग और समकालीन और पारंपरिक डिजाइनों का मिश्रण देखने को मिला। सलवार सूट अनुभाग में आम दिनों में पहनने से लेकर शादी और त्योहारों जैसे विशेष अवसरों के लिए अलंकृत पीस शामिल थे।साड़ी अनुभाग में बनारसी, कांजीवरम, सिल्क और कई अन्य क्षेत्रीय विशिष्टताओं सहित विभिन्न प्रकार की साड़ियाँ प्रदर्शित की गईं। प्रत्येक साड़ी भारतीय वस्त्रों की समृद्ध विरासत और शिल्प कौशल को दर्शाती है। लहंगों का संग्रह दुल्हन और पार्टी पहनने के लिए शानदार डिजाइनों से भरा था, जिसमें विस्तृत अलंकरण और आधुनिक सिल्हूट थे। इस अवसर मुख्य अतिथियों ने इस तरह के एक उत्तम दर्जे के शोरूम को लाने के लिए मालिक की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह न केवल शहर में खरीदारी के अनुभव को बढ़ाएगा बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देगा।ग्राहकों ने संग्रह की विविधता और गुणवत्ता पर उत्साह व्यक्त किया। कई लोगों ने कहा कि अब उन्हें सलवार सूट, साड़ी और लहंगे की खरीदारी के लिए बड़े शहरों की यात्रा करने की आवश्यकता नहीं होगी।जैन क्लासिक कलेक्शन में ग्राहकों को व्यक्तिगत खरीदारी अनुभव प्रदान करने के लिए अनुभवी सेल्सपर्सन हैं जो नवीनतम रुझानों और शैलियों पर मार्गदर्शन कर सकते हैं।

जेएसएलपीएस के तहत बिरहोर परिवारों के बीच हुई समूह बैठक

मेट्रो रेज संवाददाता

गिद्धौर (चतरा) : प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत जपुआ में निवास करने वाले आदिम जनजाति परिवारों के बीच जेएसएलपीएस के तहत समूह का गठन किया गया। बैठक आईपीआरपी सुनीता देवी के निदेर्शानुसार किया गया।मौके पर उपस्थित सुनीता देवी के द्वारा बिरहोर परिवार के सभी महिलाओं को कई जानकारियां दी गई।।जिसमें सीआईएफ की राशि बिरहोर परिवार के महिलाओं को दी गई है।उसे लौटाने की बात कही गई। साथ ही साथ आर एफ की राशि भी बिरहोर परिवार के महिलाओं के द्वारा अब तक चुकाया नहीं गया है। जिसे वापस करने के लिए सुनीता देवी ने महिलाओं को बताया । मालूम हो कि जपुआ में निवास करने वाले आदिम जनजाति परिवारों ने समूह का नाम चंपा आजीविका सखी मंडल रखा है। जिसमें समूह की सचिव सुदानी विरवानी एवं कोषाध्यक्ष मुनी बिरहोरीन है।

प्रतापपुरः घोरीघाट मोरहर नदी पर पुल बनाने की उठी मांग

ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को भेजा मांग पत्र

झारखंड, बिहार,छतीसगढ़ के हजारो गांव होगे लाभांवित

बिहार के गया की दूरी होगी कम, व्यापार में होगी बढ़ोतरी

मेट्रो रेज संवाददाता

चतराः जिले के प्रतापपुर प्रखंड के घोरीघाट मोरहर नदी पर पुल बनाने की मांग ग्रामीणो व राहगीरो द्वारा उठाई गई। सोमवार को घोरीघाट के ग्रामीण ही नहीं बल्कि कम दूरी तय करने वाले डाल्टेनगंज, छतीसगढ़, मनातु, पदमा,लेस्लीगंज,पांकी , चक,डुमरवार,भरही, राजपुर के राहगिरो एवं वहां के बुद्धिजीवियों ने मोरहर नदी के पास जमा होकर पुल बनाने की मांग

उठाई। घोरीघाट प्रखंड मुख्यालय से करीब 22 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। जो चारों ओर नदियों से घिरा हुआ है। वहां के लोगों ने क्षेत्र के विकास, व्यापार में बढ़ोतरी,सुगम आवागमन एवं शिक्षा के क्षेत्र में विकसित करने को लेकर मोरहर नदी पर पुल बनाने की मांग उठाई।इस संबंध में घोरीघाट मुखिया रिना देवी, भाजपा नेता प्रेम कुमार, रंजन पासवान, बिनोद पाठक,रोहित कुमार, भोला चौधरी, अनीज हसन सहित अन्य लोगो ने बताया कि मोरहर नदी पर लंबी पुल बनने से आवागमन का मार्ग के साथ बिहार ,झारखंड, छतीसगढ की दूरी कम होगा।जहां डालटेनगंज भाया औरंगाबाद से गया की दूरी 250 किलोमीटर है, वही डालटेनगंज भाया मनातु घोरीघाट होते गया की दूरी मात्र 160 किलोमीटर होगी। चुकी गया एक बडा व्यापार का केंन्द्र है। छतीसगढ,झारखंड और बिहार के सीमावर्ती हजारो गांव के लोग गया को ही अपना नजदीकी व्यापार के लिए उपयुक्त मानते हैं इस लिए गया व्यापार के लिए आना जाना करते हैं । पुल बनने से
बिहार ,झारखंड और छतीसगढ़ राज्य को जोड़ने का काम करेगी। वही पदमा, मनातु,चक,डुमरवार, रहरिया, कौरा, रबदा, भरही, राजपुर, घोरीघाट, एघारा, बिकोपुर, ईमामगंज, रानीगंज सहित अनेको गांव पुल बनने से लाभांवित होगे तथा आवागमन का सुगम मार्ग बनेगा। सैंकडो बसे,वाहन सड़क पर रेंगते नजर आयेंगे, जिससे हजारो गांवों का विकास संभव हो सकेगा।
बारिश में लोग जान जोखिम डालकर करते हैं नदी पार : बरसात के दिनों में झारखंड एवं बिहार के कुछ क्षेत्र के लोग टापू की तरह जहां- तहां रहने को विवश रहते हैं। जिन्हें बहुत जरूरी काम होता है, वही लोग मोरहर नदी से खतरा मोल लेकर नदी पार कर अपना काम करते है । या फर लंबी दूरी तय कर गया,पटना,औरंगाबाद सहित अन्य जगहों पर जाते है। इसके अलावा बच्चों का पठन - पाठन प्रभावित होता है। लोग गया- पटना दुगुना दूरी तय कर प्रतापपुर से गया जाते है। बता दे कि घोरीघाट के मोरहर नदी की चौडाई लगभग छः सौ से सात से मीटर है।नदी का आधा भाग झारखंड और शेष भाग बिहार सीमाना में पडता है।

सताएगी गर्मी, हीट वेव का अलर्ट जारी, तापमान पहुंचेगा 40 पार

संवाददाता

रांचीः राज्य में मौसम का मिजाज फिर से बदल रहा है। प्रदेश के तापमान में तेजी से बढ़ौतरी देखी जा रही है। सोमवार को राज्य के कई इलाकों में उमस भरी भीषण गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया है। आने वाले दिनों में भी प्रदेशवासियों को भीषण गर्मी का सितम झेलना पड़ सकता है। वहीं मौसम विभाग ने राज्य के कई जिलों में लू चलने का भी अलर्ट जारी किया है। ऐसे में तापमान और भी बढ़ सकता है और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

तापमान पहुंचेगा 40 पारः रांची मौसम विज्ञान केंद्र ने 23 से 26 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में हीट वेव का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्यिस से पार जाने की संभावना जताई गई। ऐसे में दोपहर के समय घर से बाहर निकलने पर परहेज करने की सलाह दी गई है। बताया जा रहा है कि आने वाले दिनों में गर्मी अपनी चरम पर होगी।

डाल्टनगंज का रहा सबसे अधिक तापमानः बता दें पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा तापमान डाल्टनगंज में 41.8 डिग्री दर्ज किया गया है जबकि गुमला में 22.1 डिग्री के साथ सबसे कम तापमान वाला जिला रहा है। मौसम विभाग की ओर से लोगों को हीट वेव से बचने के लिए सूती कपड़े से मुंह ढककर और छाता लेकर जाने की सलाह दी जा रही है। इसके साथ ही पेय पदार्थों का ज्यादा से ज्यादा सेवन करने के लिए कहा जा रहा है ताकि बॉडी पूरी तरह से हाइड्रेट

जेसीआई के तीन दिवसीय बिग बॉक्स लीग सीजन 1 का हुआ समापन

रांचीः जेसीआई रांची ने पहली बार बिग बॉक्स लीग सीजन 1 का आयोजन कांके रोड स्थित ए स्क्वायर क्लब में शुक्रवार, शनिवार व रविवार को किया। इसमें 8 अलग- अलग संस्था ने हिस्सा लिया। जिसमें बॉक्स क्रिकेट मैच खेला गया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 8 संस्था के नाम है - 1. जेसीआई रांची, 2. जीओई, 3. बिएन आई हीरोज, 4. बिएनआई गार्जियंस, 5. राउंड टेबल इंडिया, 6. बिएन आई एक्सप्लोररस, 7. शारदा फाउंडेशन, 8. आईसीएआई रांची। इन सभी संस्था के मेंबर्स ने इस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन कर अपने - अपने संस्था का प्रतिनिधित्व किया। रविवार को बिबिएल सीजन 1 का फाइनल मैच जेसीआई रांची और राउंड टेबल इंडिया के बीच खेला गया जिसमें राउंड टेबल इंडिया ने 59 रनों से जीत हासिल की। इस कार्यक्रम का सफलता पूर्वक संचालन जेसी अक्षत अग्रवाल, ऋषि मुरारका और केतुल पटेल ने जेसी निखिल मोदी के अगवाई में किया। जीतने वाली टीम में अभिषेक तनेजा, सिद्धार्थ चौधरी, सनी केडिया, विवेक जैन, पीयूष सरावगी, ऋषि बग्गा व अमन सिंह ने संस्था को जीत दिलाई। जेसीआई रांची के ओर से अध्यक्ष प्रतीक जैन, सचिव सनी केडिया, चेतन जैन, चंद्रेश बजाज, अनिमेष निखिल, दीपक पटेल, अभिषेक केडिया, अभिनव मंत्री, ऋषभ जैन, रॉबिन गुप्ता, पीयूष केडिया, मोहित वर्मा, अमन सिंघानिया, अभ्युदय मोदी व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सं0–2, राँची

शुद्धि -पत्र

एतद् द्वारा भवन निर्माण विभाग के संबंधित श्रेणी में निबंधित संवेदकों को सूचित किया जाता है, कि P.R. No.350426 Building (25-26)#D से प्रकाशित ई0 कोटेशन सख्या–01/2024–25 के जगह पर ई0 कोटेशन सख्या–01/2025–26 पढ़ा जाय। शेष सभी शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन निर्माण विभाग,
PR 350716 Building(25-26)#D भवन प्रमंडल सं0–2, राँची

अजयनाथ शाहदेव ने सेक्टर -3 में किया फैंटेसी कल्चरल एकेडेमी का उद्घाटन

रांचीः अजय नाथ शाहदेव ने फैंटेसी कल्चरल एकेडेमी के सेक्टर-3 एचईसी कॉलोनी ब्रांच का उद्घाटन किया। मौके पर उन्होंने एकेडमी की निदेशिका केया घोष , जिनिया घोष एवं उनकी टीम को बधाई व शुभकामनाएं दी एवं बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

इस अवसर पर अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के पढ़ाई के साथ साथ एक्स्ट्रा करीकुलर एक्टिविटी भी काफी जरूरी है। मैं चाहता हूं की हमारे झारखण्ड के बच्चे विभिन्न क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त कर हमारे देश और राज्य का नाम रोशन करें।

फैंटेसी कल्चरल एकेडंमी की निदेशका केया घोष एवं जिनिया घोष ने बताया की एकेडेमी में क्लासिकल- वेस्टर्न नृत्य, संगीत, पेंटिंग, फाइन आर्ट, जुंबा, एरोबिक्स इत्यादि बच्चों और महिलाओं को सिखाया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस एकेडेमी की स्थापना वर्ष 2011 में सेक्टर- 3 में ही हुई थी। यहां से सैकड़ों बच्चों ने ट्रेनिंग लेकर कला के क्षेत्र में नाम रोशन किया है। आज से यह नए भवन से संचालित होगी। हमारी एकेडेमी का एक और ब्रांच बिरसा चौक में भी है। उद्घाटन समारोह में बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह के हत्यारे को फांसी दी जायेः सुनील सिंह

केंद्र सरकार को झारखंड में राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए

रांचीः राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने क्षत्रिय करणी सेना के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय कुमार सिंह की हत्या की घोर निंदा की है। श्री सिंह ने कहा कि जिस तरह विनय सिंह की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या की गई, यह हत्या एक सुनियोजित तरीके से सोची समझी साजिश लगती है। झारखंड के इंडी गठबंधन के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार में अपराधी बिल्कुल बेलगाम हो गए हैं। झारखंड सरकार में क्या आमजन, व क्या खासजन कोई व्यक्ति सुरक्षित नहीं है!? हाल ही में रांची कांके निवासी भाजपा नेता अनिल महतो उर्फ. अनिल टाइगर, कमड़े निवासी आजसू नेता भूपल साहू जैसे व्यक्ति की हत्या के बाद जमशेदपुर निवासी करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष विनय सिंह की दिनदहाड़े हत्या किया जाना यह झारखंड सरकार अथवा पुलिस

प्रशासन की नाकामी को दशार्ता है। अपराधियों को ना पुलिस का डर है, ना प्रशासन का भय है!? जिस तरह से आए दिन चोरी, डकैती, हत्या, बलात्कार, नशाखोरी, कालाबाजारी, तस्करी जैसे अपराध चरम सीमा पर पहुंच गया है। ऐसे में झारखंड में अपराधियों का हीं बोलबाला और परोक्ष रूप से शासन चलता दिख रहा है। कहा की हेमंत सोरेन के क्रूर शासन में अभी तक हजारों हत्या- बलात्कार चोरी डकैती , छिनतय होती चली आ रही है, और बड़े निर्जलता से निडर होकर हेमंत सरकार अपने शासन के खूनी लुटेरी, सामाजिक, प्रशासनिक गुंडागर्दी पर इठलाती रहती है। ऐसे भयावह हालत को खत्म करने के लिए एकमात्र उपाय झारखंड में राष्ट्रपति शासन लागू करना ही है। हम क्षत्रिय समाज हेमंत सरकार से आग्रह पूर्वक मांग करते हैं कि हत्या में शामिल अपराधियों को यथाशीघ्र पड़कर फास्ट ट्रैक के तहत फांसी की सजा मुकर्रर की जाय। अन्यथा क्षत्रिय समाज झारखंड में ही नहीं पूरे देश में ईंट ईंट बजाने की मादा रखता है।

राँची समाहरणालय, राँची
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
(जिला बाल संरक्षण इकाई)

गुमशुदा बालिका की सूचना
(बाल कल्याण समिति, रांची के आदेशानुसार)

. नाम– शोभा कुमारी (काल्पनिक नाम)
. लिंग– बालिका
. पिता का नाम– अज्ञात
. माता का नाम– अज्ञात
. पता– अज्ञात
. उम्र – 05 माह (लगभग)
. रंग – सांवला

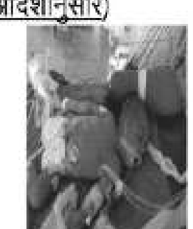

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाल कल्याण समिति, राँची के आदेशानुसार एक बालिका भोभा कुनारी (काल्पनिक नान) को करूणा एन0एम0ओ0, राँची में आवासित किया गया है। जिसके जैविक एवं विधिक संरक्षक का पता लगाने हेतु राज्य स्तरीय एवं स्थानीय अखबार में विज्ञापन प्रकाशित की गयी है। उक्त बालिका के जैविक एवं विधिक संरक्षक का विज्ञापन प्रकाशन के 60 दिनों (दो माह) तक कोई दावा प्रस्तुत नहीं होने पर दत्तक ग्रहण मार्गदर्शिका 2017 के नियम, 6 के उपनियम, 13 के अन्तर्गत बालिका को दत्तक ग्रहण हेतु बाल कल्याण समिति, राँची द्वारा कानुनी रूप से मुक्त किया जा सकेगा।

दावा प्रस्तुत करने का पता एवं संपर्क नम्बर–
1. बाल कल्याण समिति, राँची राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी, कमरा संख्या–110
2. जिला बाल संरक्षण इकाई, राँची।
राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी,कमरा संख्या–111
सम्पर्क सूत्र–6513505516

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, राँची।
सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, राँची।
PR.NO.350721 District(25-26):D

महिलाओं ने निगरानी समिति बनाकर बदल दी स्कूल की दशा- दिशा

नागरिक सहायता केंद्र के माध्यम से हो पाया संभव

असीम आशीष

रांचीः जब महिलाएं सशक्त होगी और सजग होगी तो आपने आसपास बड़ा बदलाव ला सकती है। ऐसा ही कार्य प्रोफेशनल असिस्टेंस फॉर डेवलपमेंट एक्शन द्वारा संचालित नागरिक सहायता केंद्र से जुड़ी महिलाओं के माध्यम से हो पाया हैं। कुरडेग गुमला जिले के बसिया ब्लॉक की ओरिया पंचायत में स्थित एक गांव है। इस गांव में मध्य विद्यालय है, जो स्थानीय बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और क्षेत्र के कई हाई स्कूलों को सेवाएं देता है। हाल ही में, नागरिक सहायता केंद्र फेलो (एनएसके) और निगरानी समुदायों ने प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद स्कूल का दौरा किया। उनका लक्ष्य शैक्षिक मानकों में सुधार करना और स्कूल की जरूरतों के बारे में जानकारी इकट्ठा करना था। समुदाय की स्कूल के बारे में समझ बढ़ाने के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को स्कूल की आवश्यकताओं के बारे में जानकारी देना था। स्कूल की स्थिति का आंकलन करने के लिए एक निगरानी दल बनाया गया था, जिसमें स्थानीय महिलाएँ शामिल थीं। अपने दौरे के दौरान, उन्होंने कम छात्र नामांकन के बारे में चिंता जताई, जो स्कूल के भविष्य और गाँव के बच्चों के लिए शैक्षिक अवसरों के लिए एक बड़ी चुनौती थी। शिक्षकों और कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों के बावजूद, छात्रों की कमी ने स्कूल के समग्र कामकाज को प्रभावित किया। सकारात्मक बात यह रही कि निगरानी दल ने पाया कि स्कूल में दिए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता बहुत अच्छी थी। छात्रों को पौष्टिक भोजन देने के लिए बनाई गई मध्याह्न भोजन योजना का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन किया जा रहा था। ग्रामीणों ने इस योजना पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

भोजन की गुणवत्ता पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जो नामांकन चुनौतियों के बावजूद स्कूल के संचालन में एक उज्ज्वल बिंदु को उजागर करती है। हालांकि, स्कूल निगरानी प्रणाली के सदस्यों ने यह भी देखा कि भले ही छात्र नामांकन कम था, स्कूल में प्रदान किए गए भोजन की गुणवत्ता प्रभावशाली थी। छात्रों को पौष्टिक भोजन देने के उद्देश्य से मध्याह्न भोजन योजना को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा था। ग्रामीणों ने भोजन की गुणवत्ता पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, जो स्कूल के संचालन का एक सकारात्मक पहलू था। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए स्कूल स्टाफ के प्रयासों की सराहना की कि बच्चों को अच्छा भोजन मिले, जिसने उनके समग्र कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। गांव में समुदाय-आधारित निगरानी प्रणाली (सीबीएमएस) की स्थापना के बाद से, छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जो 5-10 छात्रों से बढ़कर 25-30 छात्र हो गई है।

रांची से होकर चलेगी पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल ट्रेन, 26 अप्रैल से शुरू होगा परिचालन

रांची : राजधानी वासियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। तमिलनाडु के पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल ट्रेन अब रांची से होकर चलेगी। रांची समेत अन्य कई स्टेशनों पर भी ट्रेन का ठहराव होगा। पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल ट्रेन 26 अप्रैल से शुरू होगी। 24 मई तक प्रत्येक शनिवार को ट्रेन पोत्तनूर से प्रस्थान करेगी। वहीं प्रत्येक मंगलवार को ट्रेन बरौनी से प्रस्थान करेगी।

पोत्तनूर-बरौनी स्पेशल ट्रेन (06055) प्रत्येक शनिवार को पोत्तनूर से सुबह 11:50 बजे प्रस्थान करेगी। इसके बाद सेलम दोपहर 2:50 बजे, काटपाडी शाम 6:10 बजे, विजयवाड़ा सुबह 3:40 बजे, रायगढ़ा दोपहर 3:42 बजे, संबलपुर रात 9:40 बजे, राउरकेला रात 1:18 बजे, हटिया सुबह 3:45 बजे, रांची सुबह 4:10 बजे, मुरी सुबह 5:02 बजे, बोकारो स्टील सिटी सुबह 5:56 बजे, धनबाद सुबह 7:15 बजे, जसीडीह सुबह 10:40 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन का बरौनी आगमन सोमवार की दोपहर 2:30 बजे होगा।

बरौनी-पोत्तनूर अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (06056) 29 अप्रैल से 27 मई तक प्रत्येक मंगलवार को बरौनी से चलेगी। ट्रेन का बरौनी प्रस्थान मंगलवार रात 11:45 बजे, जसीडीह सुबह 3:04 बजे धनबाद सुबह 6 बजे, बोकारो स्टील सिटी सुबह 7:40 बजे, मुरी सुबह 9:30 बजे, रांची सुबह 11:05 बजे, हटिया सुबह 11:30 बजे, राउरकेला दोपहर 2:10 बजे सेलम रात 11:42 बजे प्रस्थान करेगी। ट्रेन का पोत्तनूर आगमन शुक्रवार की सुबह 3:45 बजे होगा।

पूर्व रेलवे
ई-निविदा सूचना

आसनसोल मंडल के तहत पार्सल की जगह (एसएलआर) पट्टे पर प्रदान करना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा संविदा की सुपुर्दगी के लिए आईआरईपीएस पोर्टल www.ireps.gov.in के जरिए खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण नीचे उल्लेखित है: नीलामी की श्रेणी: पार्सल की जगह (एसएलआर) पट्टे पर प्रदान करना। ई-नीलामी सूचीपत्र सं.: एएसएन-पीएआरसी-020525; नीलामियां शुरू होने की तारीख एवं समय: 02.05.2025 को पूर्वाह्न 11.00 बजे। क्रमांक एवं ट्रेन सं. तथा एसएलआर क्रमश: निम्नलिखित है: (1) 22306 (जसीडीह-एसएमवीटी बेंगलुरु साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस) एफएसएलआर-1, (2) 17322 (जसीडीह-वास्को द गामा साप्ताहिक एक्सप्रेस) एफएसएलआर-1, (3) 11428 (जसीडीह-पुणे साप्ताहिक एक्सप्रेस) एफएसएलआर-1, (4) 22465 (मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर सुपरफास्ट एक्सप्रेस) एफएसएलआर-1, (5) 12235 (मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल हमसफर एक्सप्रेस) एफएसएलआर-1, (6) 22459 (मधुपुर-आनंद विहार टर्मिनल बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर हमसफर एक्सप्रेस) एफएसएलआर-1. सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को ऊपर उल्लेखित अनुसूची के अनुसार ऊपर वर्णित ई-नीलामी के सम्पूर्ण विवरण हेतु तथा उसमें भागीदारी के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in देखने की सलाह दी जाती है।

(ASN-22/2025-26) वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आसनसोल
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पुलिस अधीक्षक कार्यालय, खूँटी

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता कि गुनशुदा सोनी कुमारी, उम्र करीब–19 वर्ष, पति–अनिमन्यु सिंह, पे0–सागर सिंह, सा0–चितर पो0–बिनगांव थाना–कर्रा जिला–खूँटी दिनांक–13.03.25 को ग्राम–लोधमा थाना–कर्रा जिला–खूँटी से गुम हो गई है जिसे काफी खोजबीन करने के बाद भी कुछ पता नहीं चल पा रहा है। गुमशुदा सोनी कुमारी, उम्र करीब–19 वर्ष, का हुलिया स्थानीय दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित करने की कृपा की जाय, ताकि गुमशुदा सोनी कुमारी का खोजबीन/पता लगाया जा सके।

सोनी कुमारी का विवरणी:–
1. नाम– सोनी कुमारी
2. उम्र–लगभाग 19 वर्ष।
3. पता–गुमशुदा सोनी कुमारी, उम्र करीब–19 वर्ष, पति–अभिमन्यु सिंह पे0–सागर सिंह, सा0–चितर पो0–बिनगांव थाना–कर्रा जिला–खूँटी
4. रंग –गोरा
5. उचाई–लगभग 5 फीट
6. बाल–काला
7. पहनावा–जीन्स, टॉप
8. भाषा–हिन्दी, सादरी,

अत: सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि उक्त सोनी कुमारी के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगें।

पुलिस अधीक्षक, खूँटी – 9431706116
पुलिस उपाधीक्षक(मु0), खूँटी – 8102091180
कर्रा थाना – 9110953596
डी0सी0बी शाखा, खूँटी – 8340655295

पुलिस अधीक्षक, खूँटी
PR 350715 Police(25-26).D

सूक्ति

मनुष्य को चाहिए कि वह परिस्थितियों से लड़े, एक स्वप्न टूटे तो दूसरा गढ़े:
अटल बिहारी वाजपेय

बुझे हुए तीर

बीस साल पहले अलग हो चुके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के दरम्यान सुलह होने की खबरें हैं। संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है कि वे अपनी छोटी- मोटी लड़ाइयों को हाशिए पर रखने को राजी हैं और महाराष्ट्र के हितों के मद्देनजर साथ आ सकते हैं। राज अनुसार मराठी मानुष के हित में एकजुट होना कठिन नहीं है बशर्ते राज्य के खिलाफ काम करने वालों को अनुमति न दी जाए। इस पर उद्धव ने अपने दल के कार्यक्रम में कहा कि मैं भी तुच्छ मुद्दों को अलग रखने को तैयार हूं और सभी से मराठी मानुष के लिए साथ आने की अपील करता हूं। उन्होंने यह बात राज का नाम लिए बगैर कही। 2003 में बाल ठाकरे द्वारा भतीजे राज की बजाय बेटे को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने के बाद से मतभेद उभरने लगे थे। राज के समर्थकों में उन्हें लगातार दरझकिनार किए जाने पर सुगबुगाहट तेज होने लगी थी। उन्होंने अपनी ताकत दिखाने के लिए उत्तर भारतीय प्रवासियों को निशाना बनाया। 2005 में राज ने यह कहते हुए खुद को शिव सेना से अलग कर लिया कि मैंने सम्मान मांगा था। मगर मुझे सिर्फ अपमान मिला। परंतु यह भी जोड़ा कि चाचा उनके लिए हमेशा भगवान की तरह रहेंगे। उद्धव ने राज के फैसले को गलतफहमी का नतीजा ठहराया। 2006 में राज ने अपने दल की शुरूआत कर मराठी मानुष का कार्ड.खेला परंतु उप्र और बिहारियों को निशाना बनाने की वजह से वे विवादों में ही बने रहे। इसके बावजूद 2009 के चुनावों में शिवसेना को नुकसान पहुंचाते हुए बस तेरह सीटें ही निकाल पाए। मगर 2014- 19 के निराशाजनक नतीजों के बाद बीते साल उनका दल मात्र एक सीट पर सिमट गया। कट्टर मराठी की छवि के बावजूद उनको खुद करारी हार का सामना करना पड़ा। 2012 में बाल ठाकरे की मृत्यु के बाद पुनर्मिलन की अटकलें तेज हुई थीं मगर दोनों चचेरे भाइयों ने अपनी अगली पीढ़ी को राजनीति के दंगल में उतार कर नया दांव चल दिया। शिव सेना में हुई बगावत और उसके टूटने और असली/नकली शिव सेना की खींचतान के बाद उद्धव को लगे करारे झटके ने उन्हें राजनीति की बिसात में हाशिए पर धकेलने का काम किया। कांग्रेस जैसी धुर विरोधी पार्टी के साथ जाना भले ही उनकी मजबूरी थी मगर इससे मराठियों के नाम पर चल रही राजनीति की कलई खुल गई। यह पुनर्मिलन दोनों चचेरे ठाकरों का राजनीतिक दांव नहीं है बल्कि उनकी मजबूरी के तौर पर देखा जाना चाहिए जिसकी सफलता पर संदेह उपजना स्वाभाविक है।

शिक्षा का विस्थापन

आखिर क्यों कोचिंग सेंटर की क्लास में स्कूली शिक्षा ही नहीं, पूरी पाठशाला पहुंच गई। अब शिक्षा की काबिलीयत में डमी एडमिशन का फामूर्ला ईजाद हो गया है। यानी दस्तखत पर चढ़ी सियाही ही फरेबी निकली, हमने तो पूरी जिंदगी लगा के मजमून लिखा था। शिकायतें अब कहीं जाकर स्कूल बोर्ड के कानों में गूंजी, तो मालूम हुआ कि चंडीगढ़ में क्यों हिमाचली छात्र भागे-भागे घूम रहे हैं। शिक्षा की औकात बदलने की जद्दोजहद अगर स्कूल की नीयत में नहीं, तो कम से कम जो बच्चे करियर की तलाश में आगे बढ़ना चाहते हैं, उनके ऊपर नकेल क्यों। एक अनुमान के अनुसार चंडीगढ़ की कोचिंग में दस हजार से ऊपर हिमाचली बतन अपना मुस्तकबिल छान रहे हैं। इनमें से अस्सी फीसदी भी अगर स्कूली छात्र हैं, तो डमी एडमिशन के इस खेल में चांदी ही चांदी है। शिक्षा में चांदनी की तलाश के पहिये अगर प्रदेश के बाहर घूम रहे हैं, तो शिक्षा बोर्ड बचाएगा किसे। क्या इससे स्कूल बच जाएंगे या निजी क्षेत्र की जमीन पर शिक्षा का व्यापार नहीं होगा। शिक्षा में घुसे व्यापार को सामाजिक अनुमति का ही प्रमाण मिला है कि चंडीगड़-हिमाचल के बीच इसकी दोहरी प्रणाली ने प्रदेश से शिक्षा का विस्थापन लिख दिया। मसला है भी यह कि क्यों धीरे-धीरे सरक कर हिमाचली शिक्षा ने उसूल बदल लिए, मां-बाप ने डमी एडमिशन जैसा पाप कबूल कर लिया। क्या उनके पास और कोई चारा नहीं या शिक्षा का अचार अब आयातित सामग्री से ही बनता है। इससे शिक्षा बोर्ड को अगर कांटा लगा, तो जख्म सुखाने के लिए मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों का उपचार जरूरी है। नहीं होने चाहिएं अवैध धंधे, लेकिन पूछा तो यह भी जाएगा कि वार्षिक परीक्षाओं में विभागीय लियाकत क्यों दर्ज नहीं होती। निजी बनाम सरकारी स्कूलों के बीच आखिर इतनी मिट्टी क्यों पलीद हुई कि शिक्षा के कई शिविर, कई तरीके और कई अफसाने बन गए। अंततः लक्ष्य तो जीवन का है, तो क्या हिमाचली शिक्षा जीवन पढ़ाने या जीवन में आगे बढ़ाने का इंतजाम कर रही है। आज अगर करियर का गुणात्मक पक्ष देखना हो, तो क्या हिमाचल का शिक्षा विभाग या बोर्ड किसी सरकारी स्कूल का पता देगा। हम डमी एडमिशन के खिलाफ अभियान के साथ हैं, लेकिन हिमाचली बच्चों के करियर की तलाश से दूर कैसे हो सकते हैं। अंततः कोचिंग सेंटर अब एक संस्कृति, एक तरीका, एक पायदान और करियर की महत्त्वाकांक्षा का जरिया कैसे बन गए। क्यों पढ़ाई सरकारी स्कूलों में मुकम्मल नहीं हो रही या यह छूट अभिभावकों को कैसे मिल गई कि बच्चों के अंधेरों को मिटाकर अगर रोशनी की तलाश है, तो एक हाथ कोचिंग, दूसरे में डमी एडमिशन का बंदोबस्त जरूरी है। हम इसे अभिभावकों की भेड़चाल करार दें या निजी स्कूलों व कोचिंग केंद्रों की अवैध संलिप्तता मानें, मगर शिक्षा की ऐसी परिणति के लिए सरकारी क्लास रूम की विफलता भी तो माननी पड़ेगी। यह हालत एक दिन में नहीं हुई, बल्कि जब इसकी शुरूआत हुई, तो शिक्षा को चलाने वाले अनभिज्ञ बने रहे। शिक्षा का गुणात्मक पक्ष किसकी वजह से हारा, इस पर भी तो बहस हो। आखिर शिक्षा का अपना मॉडल है क्या। यह क्यों सरकारी और निजी परिसर में अलग-अलग दिखाई दे रहा। जहां तक स्कूल शिक्षा बोर्ड का सवाल है, यह संस्थान परीक्षा बोर्ड ही साबित हुआ है। जाहिर है दसवीं की परीक्षा के बाद बारहवीं में कदम रखते ही जिंदगी में आगे बढ़ने के संकल्प और भविष्य के पन्ने खुल जाते हैं। ऐसे में आगे प्रोफेशनल कालेजों की प्रवेश परीक्षाओं और जमा दो की आम परीक्षाओं के बीच सपनों और हकीकत के बीच एक अंतरंगी संसार का उदय होता है। इन क्षणों का दबाव क्या हिमाचल के शिक्षा विभाग व बोर्ड ने महसूस किया। अगर स्कूल शिक्षा बोर्ड को इस कसौटी पर उत्तीर्ण घोषित होना है, तो सर्वप्रथम कुछ मॉडल स्कूल बनाकर करियर की तैयारी में, स्कूल के अंतिम दो सालों में सार्थक ऊर्जा का संचार करे। मैट्रिक परीक्षा के बाद शिक्षा की करवट, करियर की तलाश तक जारी रहती है। क्यों न मैट्रिक के बाद मैरिट के आधार पर पांच हजार बच्चों की हौसला अफजाई और जमा दो स्कूलों की जवाबदेही में कुछ नया खाका बुना जाए। स्कूल शिक्षा बोर्ड तथा विभाग मिलकर कम से कम पांच हजार बच्चों की मैरिट को करियर तक बढ़ाने के लिए नए प्रयोग, आश्वासन व अभिभावकों का भरोसा अर्जित करने का कोई नया रास्ता चुनें।

कार्यपालिका बनाम न्यायपालिका

भारतीय संविधान मूल रूप से तीन पहियों की गाड़ी पर चलता है। ये हैं, विधायिका, जो देश के लिए कानून बनाती है, न्यायपालिका जो कानून की व्याख्या करती है और उसका पालन करवाने की समीक्षा करती है, और कार्यपालिका जिसका काम कानून पर अमल करवाना है। संविधान में ये तीनो अपने आप में स्वतंत्र लेकिन परस्पर जवाबदेह तथा एक दूसरे को संतुलित करने वाली सत्ताएं हैं। न्यायपालिका से अपेक्षा नहीं है कि वह विधायिका की जगह ले ले या फिर कार्यपालिका ही किसी कानून की मनमानी व्याख्या करने लगे। कार्यपालिका, जिसके पास वास्तविक सत्ता और अधिकार होते हैं, वह विधायिका और न्यायपालिका दोनो के प्रति जवाबदेह है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल में विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयको को सम्बन्धित राज्यपालों द्वारा अनंत काल तक रोक कर पॉकेट वीटो करने की प्रवृत्ति के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय खंडपीठ ने जो निर्णय दिया है, उससे विधायिका में भारी कसमसाहट है। सत्तापक्ष का मानना है कि यह कार्यपालिका के क्षेत्र में न्यायपालिका का अनावश्यक हस्तक्षेप है।

अदालतें कार्यपालिक प्रमुखों जैसे राष्ट्रपति और राज्यपालों को निर्देशित कैसे कर सकती हैं। दूसरी तरफ न्यायपालिका का मानना है कि यदि कार्यपालिक प्रमुख अपने संवैधानिक दायित्वों की व्याख्या मनमाने और सियासी गुणा भाग के हिसाब से करेंगे तो न्यायपालिका को न्यायदंड अपने हाथ में लेना ही पड़ेगा। तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल के इस मामले में सरकार तो सीधे तौर पर कुछ नहीं कह रही है, लेकिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने तो सीधा सुप्रीम कोर्ट और न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट सुपर संसद की तरह काम न करे। हालांकि, उपराष्ट्रपति के इस तेवर पर भी विधि विशेषज्ञ दो खेमों में बंट गए हैं, एक इस पर आपत्ति जता रहा है तो दूसरा इसे साहसिक बता रहा है। तो क्या अब संविधान के दो मूलभूत अंग न्यायपालिका और कार्यपालिका ही एक दूसरे के खिलाफ खड़े हो गए हैं? क्या यह स्थिति हमारे लोकतंत्र के लिए सुखकर है? क्या इस सैद्धांतिक द्वंद्व का कोई सकारात्मक नतीजा निकलेगा या फिर एक दूसरे की मुश्कें कसने की पूर्वपीठिका तैयार की जा रही है? अगर ऐसा है तो यह लोकतंत्र के लिए घातक है। क्योंकि वैचारिक द्वंद्व होना अलग बात है और अधिकारों का अतिक्रमण और मयार्दा का सीमांकन की जिद होना दूसरी बात। इस द्वंद्व कार्यपालिका, विधायिका से समर्थन चाहेगी, जो हो भी रहा है। क्योंकि स्वतंत्र और प्रभावी न्यायपालिका (जो आज खुद सवालों के घेरे में है) अक्सर कार्यपालिका के कान उमेठती रहती है और कभी कभार विधायिका को भी निर्देशित करती है। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु सरकार बनाम राज्यपाल रवि के मामले में स्पष्ट फैसला देते हुए राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी की समय सीमा 3 माह तय कर दी। कोर्ट ने कहा कि यदि इस समयावधि में राज्यपाल विधेयक पर कोई फैसला नहीं लेते हैं तो उन्हें स्वतः कानून माना जाए। लिहाजा तमिलनाडु में ऐसे 10 विधेयक बिना राज्यपाल के हस्ताक्षर के कानून बन चुके हैं। यह अभूतपूर्व स्थिति है। यही नहीं न्यायपालिका ने राज्यपालों के साथ साथ राष्ट्रपति द्वारा भी किसी विधेयक पर मंजूरी की समयावधि तीन माह तय कर दी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी.पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ द्वारा दिए गए इन फैसलों को एक वर्ग न्यायपालिका द्वारा अपनी मयार्दा के उल्लंघन के रूप में देख रहा है तो समाज का दूसरा वर्ग इसे न्यायपालिका की सक्रियता और निर्भीकता का प्रमाण मान रहा है। इस दूसरे वर्ग का मानना है कि अब लोकतंत्र बचने की आस केवल न्यायपालिका से ही है, क्योंकि बाकी दूसरी लोकतांत्रिक संस्थाओं ने सत्तातंत्र की दबंगई के आगे घुटने टेक दिए हैं। जबकि, सत्तातंत्र जिसमें विधायिका के साथ साथ कार्यपालिका भी शामिल है, इसे अपने अस्तित्व और वैधता पर न्यायपालिका का स्पष्ट अतिक्रमण मान रही है, जोकि पूरी तरह अस्वीकार्य है। सर्वोच्च अदालत से इस फैसले से सरकार विचलित है। बताया जाता है कि वह जल्द ही इस फैसले पर सुधार याचिका सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी। लेकिन यदि कोर्ट ने अपना फैसला कायम रखा तो क्या सरकार उसे खारिज करने क्या सरकार नया कानून संसद से पास कराएगी? यह कानूनी और संवैधानिक बहस का मुद्दा है कि भारतीय लोकतंत्र के आधारभूत तत्वों की लक्ष्मण रेखाएं कहां तक हैं? कहां उनका अतिक्रमण होता है और कहां वो शीलभंग के दायरे में हैं? अगर ऐसा हो रहा है तो उसे कैसे रोका जाए? खास कर उस दौर में जहां न्यायपालिका भी संदेह के घेरे में हो, विधायिका और कार्यपालिका खुद को सर्वेसर्वा मानने लगे। भारतीय संविधान मूल रूप से तीन पहियों की गाड़ी पर चलता है। ये हैं, विधायिका, जो देश के लिए कानून बनाती है, न्यायपालिका जो कानून की व्याख्या करती है और उसका पालन करवाने की समीक्षा करती है, और कार्यपालिका जिसका काम कानून पर अमल करवाना है। संविधान में ये तीनो अपने आप में स्वतंत्र लेकिन परस्पर जवाबदेह तथा एक दूसरे को संतुलित करने वाली सत्ताएं हैं।

न्यायपालिका से अपेक्षा नहीं है कि वह विधायिका की जगह ले ले या फिर कार्यपालिका ही किसी कानून की मनमानी व्याख्या करने लगे। कार्यपालिका, जिसके पास वास्तविक सत्ता और अधिकार होते हैं, वह विधायिका और न्यायपालिका दोनो के प्रति जवाबदेह है। संविधान में राज्यपाल को राज्य का संरक्षक माना गया है। लेकिन हकीकत में ज्यादातर मामलों में राज्यपाल दिल्ली सरकार के एजेंट की तरह ही व्यवहार करते हैं और केन्द्र में सत्तारूढ़ दल के अजेंडे को प्राथमिकता से पूरा करने में पूरी ताकत लगा देते हैं। दिक्कत तब होती है, जब राज्य में विपक्षी पाटी की सरकार होती है। वहां राज्यपालों का व्यवहार राज्य के अभिभावक की तरह कम एक राजनीतिक अभिकर्ता के रूप में ज्यादा दिखाई पड़ता है। विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों को रोकना और रोकने का कारण भी न बताना संवैधानिक खामियों और राजनीतिक स्वार्थों की वजह भले गलत न लगे, लेकिन राज्यपाल की नीयत पर सवालिया निशान जरूर लगाता है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट ने ह्यअति सक्रियताह्ल का परिचय देते हुए राज्य और देश के संवैधानिक प्रमुखों की जवाबदेही और समय सीमा तय कर दी। अर्थात यह काम राज्य प्रमुखों के विवेक पर नहीं छोड़ा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में साफ कहा कि विधानसभा द्वारा पारित बिल के मामले में राज्यपाल अथवा राष्ट्रपति के पास पूर्ण वीटो (पॉकेट वीटो) का अधिकार नहीं है। उनके फैसले की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है और बिल की संवैधानिकता का फैसला न्यायपालिका करेगी। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला नैतिक रूप से विपक्षी पार्टियों की जीत है, जिसको लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बिफरे हुए हैं। लिहाजा उन्होंने कुछ बुनियादी संवैधानिक सवाल उठाए हैं, जिनके उत्तर अपेक्षित हैं। उपराष्ट्रपति ने बिलों को मंजूरी देने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय सीमा तय करने के फैसले पर आपत्ति जताते हुए राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के कार्यक्रम में कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24x7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। आज जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं। जबकि सभी को अपनी अपनी सीमा में रहकर काम करना चाहिए। लोकतंत्र में चुनी हुई सरकार ही सबसे अहम होती है।

सतत विकास ही पृथ्वी दिवस का ध्येय

वर्ष 1973 का उत्तराखंड राज्य में सुंदर लाल बहुगुणा का चिपको आंदोलन, साइलैंट वैली बचाओ आंदोलन, मेधा पाटकर का नर्मदा बचाओ आंदोलन व कर्नाटक के एपिको आंदोलन सहित न जाने कितने आंदोलन वनों को काटने से रोकने हेतु चलाए गए। हिमाचल प्रदेश की पर्यावरणविद व समाजसेवी किंकरी देवी का पर्यावरण संरक्षण हेतु आंदोलन कौन भूल सकता है, जिन्होंने वर्ष 1985 में पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई आरंभ की और जीवनपर्यन्त इसे जारी रखा।

प्रो सतपाल

मानव जीवनयापन के दृष्टिकोण से पृथ्वी, सौरमंडल का सबसे उपयुक्त ग्रह है। पृथ्वी ब्रह्मांड का एक बिंदु मात्र है। खगोलविदों की मानें तो ब्रह्मांड का उद्भव आज से लगभग 13.8 अरब वर्ष पूर्व, बिग बैंग विस्फोट के कारण हुआ। बिग बैंग सिद्धांत के अनुसार ब्रह्मांड की उत्पत्ति एक बिंदु से हुई, जो आज भी फैलता जा रहा है। ब्रह्मांड इतना विस्तृत एवं विशाल है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। सौरमंडल ब्रह्मांड का एक छोटा अंश है। सौरमंडल जैसे न जाने कितनी आकृतियां ब्रह्मांड में समा जाती हैं। सौरमंडल का एक महत्वपूर्ण ग्रह है पृथ्वी। पृथ्वी, सौरमंडल की वह स्थलाकृति है जहां मनुष्य जीवन के लिए अनुकूल परिस्थितियां उपलब्ध हैं जो अन्य ग्रहों में नहीं हैं। यहां जल, वायु एवं अनुकूल वातावरण सहित न जाने कितने ऐसे घटक हैं जो मनुष्य जीवन को दूसरे ग्रहों से आरामदायी एवं बेहतर बनाते हैं। इतना ही नहीं, पृथ्वी सौरमंडल का एकमात्र ग्रह है जिसकी सतह ठोस, तरल एवं गैस के अलावा वायुमंडल, बादल और मौसम जैसी अद्भुत क्रियाएं भी मौजूद हैं।

इन प्राकृतिक सुख-सुविधाओं को मानव सदैव भोगता चला आ रहा है। आदिमानव से लेकर वर्तमान रोबोट के युग तक आते-आते मनुष्य ने न जाने कितने आयाम स्थापित किए हैं। ये आयाम मूलतः मनुष्य के विकास की गाथा को भी बयां करते हैं, ऐसा कहने में किंचित संशय नहीं किया जा सकता। लेकिन विकास की इस अंधी दौड़ में हमने कुछ पाने के उद्देश्य से बहुत कुछ खो दिया। यद्यपि परिवर्तन प्रकृति का नियम है, लेकिन परिवर्तन प्राकृतिक हो तो शोभनीय एवं लाभप्रद होता है। पिछले 500 से 600 वर्षों में होने वाले परिवर्तनों की तरफ यदि नजर दौड़ाएं तो जो परिवर्तन हम देखते हैं, वे भले ही विकास की गाथा के द्योतक रहे होंगे, लेकिन कहीं न कहीं प्रकृति द्वारा तय मानकों पर खरे नहीं उतरते। परिणामस्वरूप, आज सम्पूर्ण विश्व की पृथ्वी के संरक्षण के प्रति एक सांझी समझ बनी है। चाहे पर्यावरण संरक्षण से संबंधित अंतरराष्ट्रीय पहल हो या जल एवं जलवायु परिवर्तन संरक्षण, ये चिंताएं वैश्विक मंच पर चर्चा का मुख्य मुद्दा बनी हुई हैं। इस वैश्विक चिंता एवं चर्चा के चलते ही 22 अप्रैल का दिन पूरे विश्व में पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह शुरूआत संयुक्त राज्य अमेरिका के एक सीनेटर गेलार्ड नेल्सन ने वर्ष 1970 में की। उन्होंने पहली बार विश्व पर्यावरण संबंधी मुद्दों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पूरे देश में रैलियों का आयोजन किया। उन्होंने न केवल पर्यावरण संरक्षण अपितु मानव एवं अन्य जीवित प्राणियों के बीच पारिस्थितिकी संतुलन को बनाने हेतु जनजागरण के लिए प्रयत्न किए। नतीजतन अमेरिकी सरकार ने इसी वर्ष पर्यावरण संरक्षण एजेंसी का गठन किया। इसी एक प्रयास के चलते ही वर्ष 1990 तक पृथ्वी दिवस का आयोजन विश्व के 140 देशों में होने लगा। भारत में पर्यावरण संरक्षण का यह बीड़ा अनेकों पर्यावरणविदों ने अनेक आंदोलन चलाकर उठाया। बल्कि, भारत में पर्यावरण संरक्षण का इतिहास काफी पुराना है। यहां पहला संगठित आंदोलन वर्ष 1730 में राजस्थान में खेजड़ी के पेड़ों को कटने से बचाने के लिए देखने को मिलता है जिसमें बिश्नोई समाज के 363 लोगों ने अपनी जान की बाजी लगा दी थी, जिसके कारण इसे बिश्नोई आंदोलन के नाम से जाना जाता है।

वर्ष 1973 का उत्तराखंड राज्य में सुंदर लाल बहुगुणा का चिपको आंदोलन, साइलैंट वैली बचाओ आंदोलन, मेधा पाटकर का नर्मदा बचाओ आंदोलन व कर्नाटक के एपिको आंदोलन सहित न जाने कितने आंदोलन वनों को काटने से रोकने हेतु चलाए गए। हिमाचल प्रदेश की पर्यावरणविद व समाजसेवी किंकरी देवी का पर्यावरण संरक्षण हेतु आंदोलन कौन भूल सकता है, जिन्होंने वर्ष 1985 में पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई आरंभ की और जीवनपर्यन्त इसे जारी रखा। उन्होंने न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया, बल्कि इसके अतिरिक्त खनन माफिया के प्रति भी जंग जारी रखी। पृथ्वी जिन कारकों के कारण मानव जीवन के लिए उपयुक्त ग्रह माना जाता है, वे सभी घटक एवं कारक आज कहीं न कहीं खतरे की जद में हैं। वर्तमान वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण व मृदा प्रदूषण मानव स्वास्थ्य व पर्यावरण दोनों को अपने आगोश में लिए हुए हैं। देश एवं प्रदेश में कैंसर, श्वास एवं हृदय संबंधी रोगियों की संख्या में निरंतर वृद्धि इस बात की पुष्टि करता है। पृथ्वी सदैव ही अपनी समृद्ध जैव विविधता के लिए जानी जाती है। जैव विविधता परिस्थितिकी तंत्र की महता किसी से छुपी नहीं, यह मनुष्य का आश्रय, खाद्य श्रृंखला व अन्य आवश्यक वस्तुओं का प्राकृतिक स्रोत है। परंतु आज हमारी पृथ्वी का पारिस्थितिकी असंतुलन व समृद्ध जैव विविधता का भी पतन हो रहा है, जो निश्चित तौर पर नीतिकारों के समक्ष गहन चिंता का विषय है। यद्यपि विश्व के पर्यावरणविद एवं बुद्धिजीवी इस बाबत प्रयत्नशील हैं, तथापि इसमें व्यक्तिगत समझ एवं व्यक्तिगत पहल ही सफलता की राह में मील का पत्थर साबित हो सकता है। जलवायु परिवर्तन एक और समस्या है जो मानव जीवन को चौतरफा प्रभावित करता है। अनावश्यक एवं भयानक मौसमी क्रियाएं जलवायु परिवर्तन के उदाहरण हैं। इसके अतिरिक्त अपशिष्ट प्रबंधन वर्तमान में एक विकट स्थिति पैदा कर चुकी है। जहां एक ओर स्वच्छ भारत मिशन ने लोगों का कूड़ा-कर्कट के एकत्रीकरण के प्रति निश्चित रूप से दृष्टिकोण में सकारात्मक परिवर्तन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निहित की है, वहीं एकत्रित कूड़े का सवंर्द्धन कर पाने में चूकते जा रहे हैं। रोजमर्रा की जिंदगी में प्लास्टिक के उपयोग की आदी होती वर्तमान पीढ़ी को इसके विकल्प तलाशने की कवायद है। यद्यपि हिमाचल में प्लास्टिक बैग पर पूर्णतः प्रतिबंध है, फिर भी मल्टीनेशनल ब्रांड्स व कम्पनियों द्वारा उत्पादों की पैकेजिंग में प्लास्टिक के उपयोग से प्रदेश भी नहीं बच पा रहा। दैनिक उपभोग की मैगी, टॉफी-चॉकलेट व कोल्ड ड्रिंक्स सहित अनेक ऐसे उदाहरण हैं जो प्रदेश के प्लास्टिकमुक्त अभियान के कदम धीमे करते हैं। इतना जरूर है कि कुछ उत्पादों में बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक उपयोग में किया जाना प्लास्टिक उपयोग के खतरे से बचने के संदर्भ में एक सराहनीय प्रयास है। वहीं प्लास्टिक की बोतल के पुनः प्रयोग पर भी जागरूकता फैलाई जा रही है। इनका प्रयोग फूलों के गमले, साज-सजावट आदि में किया जाना चाहिए।

चिंतन-मनन

हिंसा

ओशो

संसार में अधिक लोगों के प्राण हिंसा से भरे हैं। इतना वैमनस्य इतने युद्ध क्यों हैं? प्रत्येक व्यक्ति लड़ने, मरने- मारने को आतुर है क्योंकि सदियोंझसदियों से हमें जीना तो सिखाया नहीं गया, मरना सिखाया गया है। लोग कहते हैं: मरो देश पर; देश के झंडे पर; जाति पर; धर्म पर; चर्च पर, मस्जिद परङ्क मंदिर पर। मगर कोई नहीं कहता कि जीओ! कपड़े के टुकड़े, जो झंडे बन जाते हैं,उन पर मरो! जिंदगी जो परमात्मा की भेंट है। उसे आदमी के चीथड़ों पर बर्बाद करो! देश की सीमाओं, जो विक्षिप्त राजनीतिज्ञों द्वारा खींची जाती हैं, पर मरो! और यह अखंड पृथ्वी, जो परमात्मा ने बिना किसी सीमा के बनाई है, पर जीओ मत। मंदिर और मस्जिद पर मरो, जो आदमी की ईजादें हैं। और परमात्मा ने यह विशाल मंदिर बनाया है,जिसमें आकाश के दीए जल रहे ह, जिसमें चांद और सूरज हैं, जिसमें अनंत- अनंत फूलों की बहार है इसमें जीओ मत! मेरा संदेश है: मरने की भाषा छोड़ो, मरने की भाषा रुग्ण है। जीने की भाषा सीखो। जीओ जी भर के जीओ! समग्रता से जीओ! पूरे-पूरे जीओ! क्योंकि तुम जितनी गहनता से जिओगे, उतने ही परमात्मा के निकट पहुंच जाओगे। परमात्मा जीवन का ही दूसरा नाम है। ऐसी लपट हो तुम्हारा जीवन जैसे मशाल को किसी ने दोनों ओर से एक,साथ जलाया हो। चाहे क्षण भर को जीओ, मगर ऐसी त्वरा हो जीवन में कि वह एक क्षण अनंतता के बराबर हो जाए। तुम्हें सिखाई गई है भाषा मरने की। राजनीति मरने की भाषा ही सिखाती है। कहती है: मरो और मारो। क्रांति भी वही भाषा बोलती है कि मरो और मारो। मैं विद्रोह सिखा रहा हूं। कहता हूं, न तो मरना है,न मारना है,जीओ और जीने दो। खुद भी जीओ, औरों के जीने के लिए भी आयोजन दो। ये थोड़े दिन, ये चार दिन परमात्मा की बड़ी भेंट हैं, इन्हें ऐसे गंवा मत दो! और अगर यह पृथ्वी जीने के गीत गाने लगे, अगर जीने की बांसुरी बजाने लगे, तो हो जाएगी, क्रांति जो अब तक नहीं हुई है। और उस क्रांति को कोई विकृत न कर सकेगा, क्योंकि इस क्रांति को हम किसी की प्रतिक्रिया में नहीं कर रहे हैं। किसी से लड़ नहीं रहे हैं। सिर्फ अपने भीतर के अंधेरे को काट रहे हैं, सिर्फ अपने भीतर के पत्थरों को अलग कर रहे हैं, ताकि बह उठे झरना हमारे भीतर के जीवन का। और झरना बह उठे तो सागर दूर नहीं। न बहे, तो सागर के किनारे भी डबरा रहेगा और झरना बहे, तो दूर हिमालय से भी सागर तक पहुंच जाता है।

आपके पत्र

कश्मीर की वादियों में वंदे भारत की रौनक

भारतीय रेल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की कल्पना को साकार करने के लिए यथार्थ के धरातल पर कई क्रांतिकारी रेलवे परियोजनाओं पर युद्धस्तर पर काम कर रही है। इसका जीता जागता उदाहरण कश्मीर को लेकर सामने आया है। हिमालय की बर्फीली चोटियां, सेब के पेड़ों पर गुलाबी फूलों की चादर और मैदानों की हरी घास, यह सब अब मात्र कल्पना नहीं रहेगा, क्योंकि अब जल्द ही, इसका आनंद आप अपनी आंखों से देख सकते हैं।

इसके लिए आपको जल्द ही जम्मू-कश्मीर चलने के लिए तैयार रहना होगा। रेलवे ने जम्मू-कश्मीर की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए एक प्रोजेक्ट स्पेशल डिजाइंड किया है। यात्रियों की सुख-सुविधाओं के लिए इसे वंदे भारत ट्रेन नाम दिया गया है। इसमें घाटी की सैर करवाई जाएगी।

आरसी मिश्रा, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज ब्रीफ

गंगा में डूबने के 24 घंटे बाद शव बरामद

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत ओझा टोली पुरानी साहिबगंज निवासी संतोष तांती के 10 वर्षीय पुत्र सत्यम कुमार तांती की गंगा में डूबने से मौत हो गई। वही परिजनों ने गंगा में डूबने की सूचना बीते रविवार की सुबह लगभग 9 बजे पुलिस प्रशासन को मिली थी।वही पुलिस प्रशासन की काफी खोजबीन करने के बाद सोमवार की सुबह लगभग 11:30 बजे साहिबगंज गंगा घाट से सत्यम कुमार के शव निकाला गया। वही परिजनों ने बताया की सत्यम कुमार अपने चाचा के साथ बीते रविवार की सुबह गंगा स्नान करने गया हुआ था। वही उनके चाचा गुड्डू तांती स्नान कर अपने घर वापस लौट आया। वही सत्यम आधे रस्ते से लौट कर फिर गंगा स्नान करने चला गया एवं लापता हो गया। वही परिजनों ने खोजबीन करना शुरू कर दिया। और नहीं मिला। परन्तु परिजनों ने गंगा किनारे खोजबीन जारी रखा। वही दूसरे दिन सोमवार की सुबह लगभग 11: 30 बजे 24 घंटा बीतने के बाद सत्यम का शव खुद वा खुद पानी से बाहर आ गया। वही परिजनों ने शव को पानी से बाहर निकाला गया। वही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। वही गंगा नदी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। जहां ड्यूटी पर रहे डॉक्टर पिंकु चौधरी के नेतृत में पोस्टमार्टम कर शव को परिजनों को सौंप दिया गया है।मिली जानकारी के अनुसार सत्यम तीन भाई बहन में दूसरे नंबर कर था।

अज्ञात महिला का शव पुलिस ने किया बरामद

साहिबगंज : जिले के गंगा नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत जनता घाट के सामने एक अज्ञात 52 वर्षीय महिला का शव पुलिस ने बरामद किया है। वही गंगा नदी थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। जहां ड्यूटी पर रहे डॉक्टर प्रशांत कुमार डॉ कुलदीप कुमार एवं डॉ सिरिजा कृष्णा ने 3 सदस्यीय टीम गठन कर शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका मेडिकल कालेज रेफर कर दिया है।मिली जानकारी के अनुसार महिला की उम्र लगभग 52 वर्ष बताया जा रहा है। वही गंगा नदी थाना प्रभारी प्रभार फुलेश्वर अकेला ने बताया की शव कर से पांच दिन पुराना है। महिला की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

धर्मशाला में शैक्षिक रक्तदान शिविर 27 से

साहिबगंज/बरहरवा : नगर पंचायत के जेएमएम नेता सह समाजसेवी शक्तिनाथ अमन ने रक्तदान केन्द्र सदर अस्पताल साहिबगंज प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी को लिखित आवेदन प्रेषित कर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर के आयोजन को लेकर अनुमति की अपील की है।आगामी 27 अप्रैल को 10:00 बजे सुबह बरहरवा नगर पंचायत अंतर्गत पटवारी धर्मशाला में शैक्षिक रक्तदान शिविर का आयोजन निर्धारित की गई है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन को लेकर विधिवत चिकित्सा कमिटी के गठन को लेकर आग्रेषित कार्रवाई की भी मांग की है। आयोजन को लेकर प्रतिलिपि के माध्यम से असैनिक शल्य चिकित्सा सह चिकित्सा पदाधिकारी और साहिबगंज जिला उपायुक्त को भी सूचना प्रेषित की गई है।ज्ञात हो कि बरहरवा नगर में समय समय पर विभिन्न स्थानों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है।

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी के मार्गदर्शन में पुनर्गठन

साहिबगंज : शहर के मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कन्या विद्यालय पोखरिया साहिबगंज में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए बाल संसद का गठन नोडल शिक्षक मनोहर शर्मा व विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका सीमा कुमारी के मार्गदर्शन में पुनर्गठन किया गया।जिसमे कक्षा 8 की सोनम कुमारी को प्रधानमंत्री,जबकी अध्यक्ष कोमल कुमारी को बनाया गया !वही नोडल शिक्षक मनोहर शर्मा ने बताया की बाल संसद में गठित चयनित सदस्यों को विस्तार से उनके कार्य दयित्वा के बारे में बताया गया.उन्होंने कहा की विद्यालयों में बाल संसद के गठन का मुख्य उदेश्य बच्चों में प्रजातांत्रिक मूल्यों का विकास एवं नेतृत्व क्षमता का विकास करना है !

मेदिनीनगर नगर निगम में सिंगल यूज प्लास्टिक उपयोग बदस्तूर जारी

मेदिनीनगर : पर्यावरण की रक्षा और आम लोगों के स्वास्थ्य के मद्देनजर भारत सरकार ने एक जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। बावजूद इसके मेदिनीनगर सिटी समेत पूरे पलामू जिले सरेआम इसका उपयोग बदस्तूर जारी है। नगर निगम ने सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग रोकने के लिए मेदिनीनगर नगर निगम, समय-समय पर जागरूकता एवं छापेमारी अभियान चलाया है, बावजूद इसके सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग रूक नहीं रहा है। नगर निगम के सहायक नगर आयुक्त विश्वजीत महतो ने बताया कि जागरूकता अभियान से ही सिंगल यूज प्लास्टिक बंद हो सकता है। 2023-24 एवं 2024-25 में कई बार छापेमारी अभियान चलाते हुए सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त कर संबंधित लोगों से फाइन वसूल किया गया। कुछ दिनों तक डर से उपयोग बंद रहता है परंतु बाद में लोग चोरी छिपे उपयोग करने लगते हैं। नगर निगम इस संबंध में जल्दी स्पेशल ड्राइव चलाएगा ताकि ताकि सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह प्रतिबंध हो सके। उन्होंने बताया कि 2023-24 में लगभग 70 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त करते हुए करीब 15 हजार रुपये फाइन वसूल किया गया है। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा। सिंगल यूज प्लास्टिक पूरी तरह बंद करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इधर एक सब्जी दुकानदार ने बताया कि अधिकांश लोग झोला लेकर सब्जी लेने नहीं आते हैं। जब सब्जी ले लेते हैं तो वे प्लास्टिक में देने की मांग करते हैं। प्लास्टिक में नहीं देने पर वे बिना सब्जी लिए वापस चले जाते हैं। मजबूरी में उन्हें प्लास्टिक में सब्जी देना पड़ता है।

भाजपा नेत्री ने क्षेत्र का किया भ्रमण

विश्रामपुर : पलामू सांसद विष्णु दयाल राम की पुत्री सह भाजपा नेत्री स्मिता ने सोमवार को विश्रामपुर विस क्षेत्र में भ्रमण किया। इस दौरान बी मोड़ चौक पर भाजपा कार्यकताओं ने स्मिता कुमारी का स्वागत किया। पुष्पगुच्छ देकर उनका अभिनंदन किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि अनुज पांडेय, वरीय भाजपा नेता ईश्वरी पांडेय, सांसद के जिला प्रतिनिधि विजय ओझा, चेतन चौहान, सांसद के निजी सचिव अलख दुबे, भोला पांडेय, पंकज तिवारी, शिवबंश मिश्रा, विकाश चौबे, मणि भूषण पांडेय, आशीष ठाकुर, चंदन कुमार, बसंत कुमार, प्रमोद कुमार, पीयूष बाबू, विश्वनाथ कुमार, नरेंद्र राम, शोयब खान, संजय कुमार आदि मौजूद थे।

राशि शीघ्र व्यय करना सुनिश्चित करें : डीसी

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण और15 वें वित्त आयोग से संबंधित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी प्रखंडों के बीपीओ ब्लॉक समन्वयक सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।बैठक की शुरूआत उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लक्ष्यों की समीक्षा से की। उन्होंने प्रखंडवार प्रगति की जानकारी लेते हुए सभी प्रखंडों के प्रदर्शन को असंतोषजनक बताया,इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए संबंधित अधिकारियों को

स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सभी योजनाओं के कार्यों में तेजी लाते हुए लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाए।मनरेगा से संबंधित समीक्षा के दौरान योजना पूर्णता, एरिया ऑफिसर की सक्रियता, आधार आधारित भुगतान एबिपी100 मानव दिवस पूरा करने वाले परिवार, पोटो हो खेल मैदान, बिरसा हरित ग्राम योजना, अस्वीकृत लेन-देन, अबुआ आवास में निर्गत मास्टर रोल, एवं लोकपाल द्वारा उठाए गए बिंदुओं पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि अद्यतन स्थिति की जानकारी लेकर सभी लंबित कार्यों को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए।प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना के अंतर्गत 2.0 सर्वे पीएम जन-मन योजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही 2024-25 में स्वीकृत आवासों की प्रथम किस्त व अबुआ आवास योजना की प्रगति पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि 30 जुलाई, 2025 तक वित्तीय वर्ष 2023-24 व 2024-25 के अंतर्गत सभी आवासों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाए।15वें वित्त आयोग की समीक्षा में जीपीडीपी सर्वे पंचायत समिति व्यय, ग्राम पंचायत व्यय की अद्यतन स्थिति पर चर्चा हुई। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन पंचायतों व प्रखंडों द्वारा अब तक राशि व्यय नहीं की गई है। वे नियमानुसार शत प्रतिशत राशि शीघ्र व्यय करना सुनिश्चित करें।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव, जिला पंचायती राज पदाधिकारी अनिल कुमार, अंचलाधिकारी समेत सभी संबंधित अधिकारी मौजूद थे। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए और आमजन तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचे।

चयनित अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच प्रक्रिया अंतिम चरण में

चौकीदार बहाली 470 सफल अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच शुरू 23 अप्रैल तक

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : सिद्धो- कान्हू स्टेडियम में शारीरिक जांच में सफल हुए 470 अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच सोमवार से सदर अस्पताल स्थित वेयरहाउस में शुरू हो गई है। यह प्रक्रिया 23 अप्रैल तक चलेगी जिसमें चयनित अभ्यर्थियों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। पहले दिन कुल 160 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिनमें से 158 उपस्थित हुए जबकि 2 अनुपस्थित रहे।मेडिकल जांच की प्रक्रिया दंडाधिकारी सह प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजीव पांडेय की निगरानी में संपन्न हुई। मेडिकल बोर्ड में डॉ. सचिन, डॉ. तबरेज

आलम, डॉ. राहुल कुमार वर्मा, डॉ. जूही, एएनएम अर्चना कुमारी और प्रशिक्षु फार्मासिस्ट राहुल कुमार सिंह शामिल थे। टीम ने अभ्यर्थियों की विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए और उनकी शारीरिक स्थिति का मूल्यांकन और स्वास्थ्य जांच पूरी होने के बाद सभी अभ्यर्थियों से उनके मूल प्रमाण पत्र जमा लिए गए। प्रमाण पत्र जमा करने के बदले अभ्यर्थियों को पावती भी दी गई, ताकि दस्तावेजों की सुरक्षा और पारदर्शिता बनी रहे।गौरतलब है कि चौकीदार के पद पर सीधी नियुक्ति के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षण 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक सिद्धो कान्हू स्टेडियम में आयोजित किया गया था। जिसमें दौड़ और साइक्लिंग जैसी गतिविधियों में प्रदर्शन के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। अब चयनित अभ्यर्थियों की मेडिकल जांच प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके पूरा होने के बाद बहाली की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ

पाकुड़ और गुमानी टीम ने दर्ज की जीत

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज/बरहड़वा : नगर पंचायत के नयाटोला मैदान में सोमवार को क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ हुआ।बतौर मुख्य अतिथि के रूप में कामेश्वर झा,अशर्फी सहा,जगदीश महतो,बिष्णु देव शर्मा जानकी ठाकुर और अनुभव कुमार शास्त्री ने संयुक्त रूप से फीता काटकर टूनार्मेंट का शुभारंभ किया।उद्घाटन के दौरान सभी अतिथियों ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रदर्शन करने की शुभकामनाएँ दीं।वही शुभारंभ मैच में पाकुड़ और साहिबगंज की टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला।पाकुड़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 10 ओवर में 159 रन का लक्ष्य दिया।जवाब में साहिबगंज की टीम ने 10 ओवर में 8 विकेट खोकर 147 रन ही बना सकी।इस तरह पाकुड़ की टीम ने यह मुकाबला 12 रन से जीत लिया।साथ ही शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्रसनजीत कुमार को 'मैन ऑफ द मैच' के पुरस्कार से सम्मानित किया गया.वहीं,टूनार्मेंट का दूसरा मुकाबला बरहेट और गुमानी के बीच खेला गया, जिसमें गुमानी की टीम ने 17 रन से जीत दर्ज की।उधर,आयोजनकर्ता विजय यादव ने कहा कि इस टूनार्मेंट का मुख्य उद्देश्य है।कि गांव और कस्बों के उभरते हुए खिलाड़ियों को एक बेहतर मंच मिले,जहां वे अपने खेल कौशल का प्रदर्शन कर सकें। युवा खेल के माध्यम से अनुशासन,टीम भावना और नेतृत्व जैसे जीवन मूल्यों को भी सीखते हैं।हमारा प्रयास है कि इस तरह के आयोजनों से उनका उत्साह बना रहे। मौके पर सोभिक सरकार, मानव दास,आयुष यादव,सिपाही यादव,सूरज सिंह,गौरव झा सहित अन्य मौजूद रहे।

झारखंड आंदोलनकारी मोर्चा की समीक्षा बैठक 24 को

मेदिनीनगर : झारखण्ड संघर्ष मोर्चा के पलामू प्रमंडलीय अध्यक्ष बालकिशुन उरांव की अध्यक्षता में मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमार के आवासीय परिसर में हुई बैठक में 24 अप्रैल को रांची स्थित विधायक क्लब में होने वाली राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक की तैयारी पर चर्चा हुई। कार्यक्रम की व्याख्या करते हुए सतीश कुमार ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी लगातार मान-सम्मान व स्वाभिमान की रक्षा व अपनी पहचान के लिए धरना-प्रदर्शन, विधानसभा घेराव व विचार गोष्ठी सेमिनार के माध्यम से अपनी मांगों के लेकर आवाज बुलंद करते रहा हैं। बैठक में सतीश कुमार ने कहा कि 26 मार्च को विधानसभा सत्र में भी सरकार के मुख्य सचेतक मथुरा महतो ने आवाज उठाई तथा संबंधित मंत्री ने जबाव भी दिया लेकिन आगे का कार्य अधूरा है। बालकिशुन उरांव ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों को जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी आंदोलनकारियों को पेंशन तथा उत्तराखंड व तेलंगाना के तर्ज पर झारखंड आंदोलनकारी को सेनानी का दर्जा देकर सम्मानित करने पर बल दिया गया।

पलामू में बढ़ती जा रही है गर्मी तेजी से गिर रहा है जलस्तर

मेट्रो रेज संवाददाता

मेदिनीनगर: पलामू जिला में पर्यावरण को अनुकूल रखने पर प्रत्येक साल करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। फिर भी अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आ रहा है। वन विभाग पिछले तीन सालों में करीब 15 लाख 21 हजार पौधे लगाए हैं। इसके कारण जिले में 2.36 वर्ग किलोमीटर वनक्षेत्र की बढ़ोतरी हुई है परंतु वनों सघनता तेजी से घटी है। खुले वनक्षेत्र बढ़कर 571.45 वर्ग किलोमीटर हो गया है। इसके कारण मांसाहारी वन्य प्राणियों की संख्या तेजी से घटी है और नीलगाय जैसे वन्यप्राणियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसके कारण आम किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। दूसरी तरफ वन की सघनता घटने से भूमि जलस्तर गिरता जा रहा है। मेदिनीनगर में जलस्तर 50 फीट से ज्यादा नीचे चला गया है।

नेशनल टाइगर अथॉरिटी से जुड़े रहे पर्यावरणविद डॉ डीएस श्रीवास्तव ने बताया कि सघन वन का तात्पर्य होता है जहां बड़े पेड़, झाड़ी, लताएं आदि सभी हो। ऐसे वन ही पर्यावरण को अनुकूल बनाते हैं। वर्षा जल को रोकते हैं। बादल को आकर्षित करते हैं। परंतु पलामू में ऐसे वन कम होते जा रहे हैं।

पलामू में 1951-52 में 43 प्रतिशत था जो वर्तमान में 23% हो गया है। इसके आधार पर पलामू में वनक्षेत्र घटे हैं। वन का तात्पर्य प्राकृतिक वन होता है। उन्होंने कहा कि वनों की सघनता घटने से वह विरल होगा, फिर ओपन होगा और फिर खेत में तब्दील हो जाएगा। पलामू में विरल वनक्षेत्र बढ़ रहे हैं इससे जल संकट पैदा हो रहा है। साथ ही विरल वन क्षेत्र आहार जाल के सबसे उपर के वन्यप्राणी शेर व चिता भारत में सिमट गए हैं। फलतः शाकाहारी वन प्राणियों की संख्या बढ़ेगी। इससे कई अन्य परेशानी पैदा होगी ही।

उल्लेखनीय है कि पलामू जिले के वन भूमि में जलस्तर को बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में डोभा, बांध और चेकडैम का निर्माण किया है। साथ ही ग्रामीण विकास विभाग, भूमि संरक्षण विभाग ने भी सैकड़ों तालाब और चेकडैम का निर्माण कराया है। इसके बाद भी पलामू की जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। हर दिन एक नया ड्राई जोन बन रहा है। मेदिनीनगर शहर में ही बैरिया, आबादगंज, सुदाना जैसे जगहों पर पानी की किल्लत सालों भर बना रहता है। ऐसे ही पलामू जिला के की प्रखंड क्षेत्र में ड्राई जोन बने हुए हैं जिसमें तरहसी प्रखंड के मटपूरही गांव है जहां हर दो सौ मीटर पर बोर किया गया है लेकिन कही भी पानी नहीं मिलता है। पिछले साल मार्च 2024 में भूमिगत जलस्तर गिरकर 50 फिट से ज्यादा पहुंच गया था। पलामू जिले में गर्मी शुरू होते ही भूमिगत जलस्तर इस वर्ष भी 50 फीट से ज्यादा नीचे चला गया है। हालांकि पेजयल एवं स्वच्छता विभाग के सहायक अभियंता राजेश कुमार सिंह ने बताया कि भूमिगत जलस्तर का कोई अद्यतन डेटा उपलब्ध नहीं है।

बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान में जेनरल एडीपी प्रशिक्षण

मेट्रो रेज संवाददाता

साहिबगंज : बोरियो प्रखंड स्थित बड़ा लोहन्दा के समीप भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 6 दिवसीय जेनरल एडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ के जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक सुधीर कुमार,बीपीओ जेएसएलपीएस अनंत कुमार,प्रशिक्षक राजहंस कुमार एवं उपेंद्र गोप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया.इस कार्यक्रम में कुल आजीविका सखी मंडल की 35 दीदियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।जिसमे जिले के विभिन्न प्रखंड राजमहल बरहरवा पतना,बोरियों एवं तालझारी से आये प्रशिक्षु ने भाग लिया.यह कार्यक्रम 27 अप्रैल तक जारी रहेगी।वही एलडीएम सुधीर कुमार ने बताया की प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य झारखंड आजीविका सखी मंडल जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल 35 दीदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो गांव की दीदियों को रोजगार से जोड़ने तथा उन्हें छोटे छोटे दुकान के साथ साथ साथ बड़े व्यापारी बनने के गुण सीखाना तथा बचत की आदत को डालने के लिए प्रेरित किया जाना है।मौके पर आरसेटी के सहायक रंजीत कुमार ठाकुर,आकाश कुमार एवं तौफीक आलम उपस्थित थे।

मंत्री हफीजुल हसन के बयान के खिलाफ भाजपा ने किया आक्रोश मार्च

मेट्रो रेज संवाददाता

दुमका : झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन के विवादित और संविधान विरोधी बयान के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी दुमका द्वारा सोमवार को जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव कांत प्रसाद के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने दुमका पुराने समाहरणालय से कचहरी परिसर होते हुए उपायुक्त कार्यालय गेट तक पैदल आक्रोश मार्च निकाला और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। आक्रोश मार्च को संबोधित करते हुएजिलाध्यक्ष गौरव कांत प्रसाद ने कहा कि मंत्री हफीजुल हसन का यह बयान कि ₹संविधान से ऊपर शरीयत है₹, न केवल भारत के संविधान का अपमान है बल्कि यह बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के विचारों का भी अपमान है। यह बयान लोकतंत्र के मूल भावना के

विरुद्ध है और ऐसे मंत्री को एक क्षण भी पद पर बने रहने का अधिकार नहीं है।जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर ने कहा कि मंत्री पद की शपथ संविधान के नाम पर ली जाती है और जो मंत्री संविधान से ऊपर किसी अन्य व्यवस्था को मानते हैं, उन्हें तुरंत पद से हटाया जाना चाहिए। दुमका संसदीय क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी केपूर्व सांसद सुनील सोरेन ने सख्त शब्दों में कहा कि संविधान का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राज्य सरकार यदि मंत्री हफीजुल हसन को तुरंत बर्खास्त नहीं करती है, तो यह साफ संकेत होगा कि सरकार भी उनके विचारों से सहमति रखती है।

भाजपा कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि मंत्री को बर्खास्त नहीं किया गया, तो पार्टी व्यापक जनांदोलन छेड़ेगी और सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से सरकार को घेरने का काम करेगी। जिला मीडिया सह प्रभारी नवल किस्कू ने बताया आक्रोश मार्च में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवास मंडल, अमरेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, रघुनाथ दत्ता, बबलु मंडल, मार्शल ऋषिराज टुडू, जिला महामंत्री मनोज पांडेय, पवन केशरी, सोनी हेम्ब्रम,गुंजन मरांडी,विमल मरांडी, रूपेश मंडल, श्रीधर दास सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

जान्हवी कपूर ने सिद्धार्थ मल्होत्रा से सीखा स्कूटी चलाना

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा से स्कूटी चलानी सीखी है। जान्हवी कपूर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आ रही हैं। जान्हवी कपूर सिद्धार्थ मल्होत्रा से स्कूटी चलाना सीख रही हैं। इन तस्वीरों के साथ जान्हवी ने कैप्शन में लिखा कि परम को बहुत अच्छा लगता है जब मैं उसे घुमाने ले जाती हूं।

जान्हवी की सिद्धार्थ के साथ इन तस्वीरों पर मैडॉक फिल्म्स ने लिखा कि सुंदर जोड़ी गोल। गौरतलब है कि सिद्धार्थ मल्होत्रा और जान्हवी कपूर जल्द ही मैडॉक फिल्मस के बैनर तले बन रही फिल्म परम सुंदरी में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का निर्माण दिनेश विजन कर रहे हैं, जबकि निर्देशन तुषार जलोटा कर रहे हैं। यह फिल्म 25 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा परम के किरदार में नजर आएंगे, जबकि जान्हवी कपूर सुंदरी का रोल निभाएंगी।

सैफ अली खान ने कतर में खरीदा आलीशान बंगला

प्राइवेसी और लग्जरी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन देख इम्प्रेस हुए एक्टर

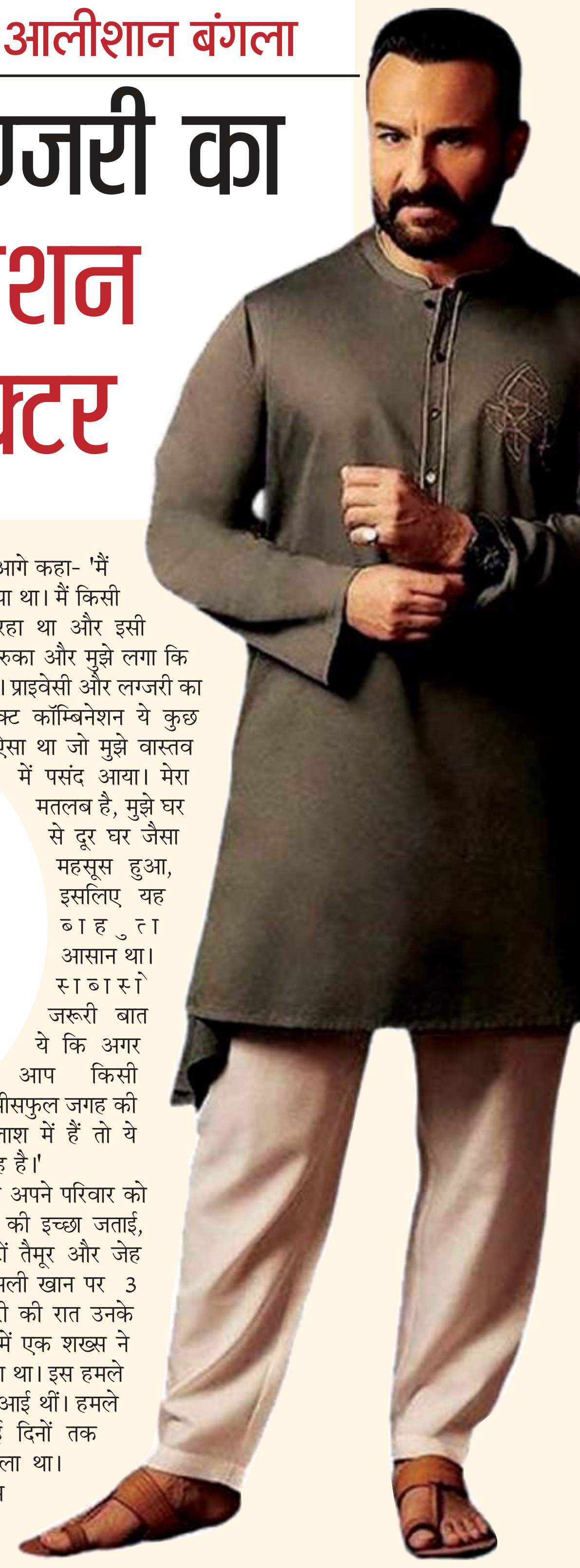

बॉलीवुड के सुपरस्टार सैफ अली खान इस साल की शुरूआत से ही लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। जहां साल के शुरूआती महीने सैफ पर तेजधार हथियार से हमला हुआ था, वहीं अब एक्टर ने कतर में एक आलीशान घर खरीदा है, जिसकी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। हाल ही में इस नए घर को लेकर सैफ ने सोशल मीडिया पर अपनी बात भी सामने रखी।

सैफ अली खान ने खुलासा किया कि उन्होंने कतर के दोहा के सेंट रेजिस मार्सा अरबिया द्वीप, द पर्ल में नया घर घरीदा है। एक प्रेस इवेंट में बात करते हुए सैफ ने बताया कि आखिर उन्हें इस प्रॉपर्टी में किस चीज ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने कतर की सुरक्षा, सुंदरता और भारत से कम दूरी को अपने इस फैसले की वजह बताया। एक्टर के अनुसार, उनके परिवार के लिए एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है।

सैफ अली खान ने खुलासा किया कि उन्होंने कतर के दोहा के सेंट रेजिस मार्सा अरबिया द्वीप, द पर्ल में नया घर घरीदा है। एक प्रेस इवेंट में बात करते हुए सैफ ने बताया कि आखिर उन्हें इस प्रॉपर्टी में किस चीज ने सबसे ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने कतर की सुरक्षा, सुंदरता और भारत से कम दूरी को अपने इस फैसले की वजह बताया।

अपने नए घर की खासियत के बारे में बात करते हुए सैफ ने कहा- 'ये सुरक्षित है और घर से दूर एक घर जैसा है। छुट्टियों के लिए हॉलिडे होम या दूसरे घर के बारे में सोचें। कुछ चीजें हैं जिनके बारे में मैं सोचता हूं। एक चीज है कि यह बहुत दूर नहीं है और आसानी से पहुंचा जा सकता है। और फिर दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण बात कि यह बहुत सुरक्षित है और वहां रहना बहुत अच्छा लगता है। एक द्वीप के अंदर एक द्वीप की अवधारणा भी बहुत शानदार और सुंदर है और यह रहने के लिए वास्तव में एक प्यारी जगह है। जब आप वहां होते हैं तो आपको जो एहसास होता है वह बहुत शानदार है। सुंदर व्यू, अच्छा खाना, लाइफस्टाइल और जीने की गति। ये कुछ ऐसी चीजें हैं जिनके कारण मैंने यह फैसला लिया।'

सैफ अली खान ने आगे कहा- 'मैं वहां कुछ काम करने गया था। मैं किसी चीज की शूटिंग कर रहा था और इसी दौरान मैं उस प्रॉपर्टी में रुका और मुझे लगा कि यह अद्भुत है। प्राइवेसी और लग्जरी का परफेक्ट कॉम्बिनेशन ये कुछ ऐसा था जो मुझे वास्तव में पसंद आया। मेरा मतलब है, मुझे घर से दूर घर जैसा महसूस हुआ, इसलिए यह बहुत आसान था। सबसे जरूरी बात ये कि अगर आप किसी पीसफुल जगह की तलाश में हैं तो ये परफेक्ट जगह है।'

इसी के साथ सैफ ने अपने परिवार को भी इस जगह ले जाने की इच्छा जताई, खासतौर पर अपने बेटों तैमूर और जेह को। मालूम हो, सैफ अली खान पर 3 महीने पहले 16 जनवरी की रात उनके बांद्रा स्थिति अपार्टमेंट में एक शख्स ने चाकू से हमला कर दिया था। इस हमले में एक्टर को कई चोटें आई थीं। हमले के बाद सैफ का कई दिनों तक अस्पताल में इलाज चला था। हालांकि, अब वह इस चोट से उबर आए हैं।

बॉलीवुड एक्टर ललित मनचंदा ने की आत्महत्या, फिल्म इंडस्ट्री में पसरा मातम

बॉलीवुड एक्टर ललित मनचंदा ने मेरठ में आत्महत्या कर ली, जिससे उनके फैंस और इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। 36 वर्षीय ललित ने अपने घर पर फांसी लगाकर अपनी जान दी। पुलिस को घटना की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचे और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। शुरूआती जांच में पुलिस को किसी भी साजिश या बाहरी किसी भी प्रकार का कोई भी दखल का सबूत नहीं मिला है।

ललित मनचंदा ने कई बॉलीवुड फिल्मों और टीवी सीरियल्स में छोटे-मोटे रोल किए थे। हाल ही में वह एक वेब सीरीज को लेकर काफी उत्साहित थे। हालांकि, उनके करीबी लोगों ने बताया कि वह कुछ समय से मानसिक तनाव और निजी परेशानियों से जूझ रहे थे।

पुलिस ललित के परिवार और दोस्तों से पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के कारणों का पता चल सके। उनके घर से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है, इसलिए पुलिस गहराई से जांच कर रही है। पड़ोसियों और स्थानीय लोगों ने बताया कि ललित मिलनसार और शांत स्वभाव के थे, जिससे सभी इस घटना से बेहद हैरान हो रहे हैं।

मनोरंजन जगत में आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं ने एक बार फिर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को सामने ला दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे लोगों को समय पर मदद और सहारा मिलना जरूरी है। ललित की मौत उनके चाहने वालों के लिए एक बड़ा झटका है और यह समाज के लिए एक चेतावनी है कि मानसिक स्वास्थ्य को गंभीरता से लेना चाहिए।

कमल हासन को महान डांसर मानते हैं सिलंबरासन टीआर

दक्षिण भारतीय फिल्म स्टार सिलंबरासन टीआर दिग्गज अभिनेता कमल हासन को महान डांसर मानते हैं। कमल हासन की फिल्म ठग लाइफ का पहला गाना जिंगुचा हाल हीं में रिलीज हुआ है। गाने के रिलीज के दौरान सिलंबरासन ने कहा कि कमल हासन सर महान डांसर हैं और मुझे उन्हें देखकर ही डांस करने की प्रेरणा मिली। उन्होंने पहले भी कई ऐसे काम किए हैं। उनकी खूबसूरती आज भी वैसी ही है।इसके बाद सिलंबरासन ने दिल्ली में गर्म मौसम में शूट किए गए एक डांस सीक्वेंस को याद किया।

उन्होंने कहा,हमने इस गाने को दिल्ली में गर्मियों में शूट किया था। बहुत गर्मी थी और शूट करना बहुत मुश्किल था। मैंने एक ऐसा कॉस्ट्यूम पहना था जो पतले कपड़े से बना था, लेकिन मुझे भी मुश्किल हो रही थी। कमल सर का कॉस्ट्यूम भारी था। इसलिए मैंने सोचा कि इतनी भारी कॉस्ट्यूम के साथ वे इतनी गर्मी में कैसे डांस कर पाएंगे।जब हम टेक के लिए गए, तो उन्होंने अचानक इतनी ऊर्जा के साथ डांस किया कि मैंने डांस करना बंद कर दिया और उन्हें निहारने के लिए खड़ा हो गया।उनका टेक कमाल का था। इस बीच, कमल हासन ने बताया मुझे इस गाने में डांस करना ही नहीं था। हालांकि, मणिरत्नम ने जोर दिया और इसलिए मैंने डांस किया। मेरा डांस करने का कोई इरादा नहीं था।जब रिहर्सल हो रही थी, मैं बस देखता रहा। हालांकि, जब मणिरत्नम चाहते थे कि मैं डांस करूं, तो मैंने डांस किया। यह मुश्किल था, लेकिन मुझे सिंबू की एनर्जी से मैच करना था।सिम्बू के पिता दिग्गज एक्टर टी राजेंद्रन पिता मुझसे बहुत प्यार करते थे। यदि मुझे कुछ हो जाता, तो वह आकर गले मिलते और रोते।

चार फिल्मों के साथ धमाकेदार डेब्यू करेंगी आकांक्षा शर्मा

अभिनेत्री आकांक्षा शर्मा इस वर्ष धमाकेदार डेब्यू करने जा रही हैं। भारतीय सिनेमा 2025 में एक नए और प्रतिभाशाली चेहरे का स्वागत करने के लिए तैयार है, जब आकांक्षा शर्मा चार बहुप्रतीक्षित फिल्मों के साथ अपने बॉलीवुड करियर की शानदार शुरूआत करेंगी। उनकी पहली फिल्म तेरा यार हूं मैं है, जिसमें वे अमन इंद्र कुमार के साथ नजर आएंगी। इस भावनात्मक एंटरटेनर का निर्देशन मिलाप जावेरी कर रहे हैं, और यह दोस्ती एवं रिश्तों की गहराई को उजागर करेगा। इस फिल्म के जरिए अकांक्षा के अभिनय की बहुमुखी प्रतिभा दर्शकों को देखने मिलेगी।

इसके बाद आकांक्षा ऐतिहासिक ड्रामा केसरी वीर में एक महत्वपूर्ण किरदार निभाते हुए नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली जैसे अनुभवी कलाकार होंगे। वीरता और बलिदान की इस गाथा में अकांक्षा का किरदार एक सशक्त और चुनौतीपूर्ण भूमिका में दिखाई देगा, जिसे लेकर दर्शकों में खासा उत्साह है।

आकांक्षा की फिल्मी यात्रा यहीं नहीं रुकती। वे एक एक्शन-कॉमेडी फिल्म में भी नजर आएंगी, जिसका निर्देशन भी मिलाप जावेरी कर रहे हैं और जिसकी शूटिंग इसी साल शुरू होगी। इसके अलावा, वह एक रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म में भी काम करेंगी, जिसका निर्देशन रेमो डिसूजा करेंगे और स्क्रिप्ट मिलाप जावेरी ने लिखी है,जिसकी झलक मिलाप ने सोशल मीडिया पर उनके साथ तस्वीर साझा करते हुए दी थी। खूबसूरती, टैलेंट और दमदार फिल्मों की लाइनअप के साथ, अकांक्षा शर्मा भारतीय सिनेमा की एक उभरती हुई सितारा बनने के लिए तैयार हैं। अलग-अलग शैलियों में खुद को साबित करती हुई अकांक्षा का 2025 डेब्यू, निश्चित रूप से दर्शकों पर एक गहरा असर छोड़ेगा।

रिज पर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता 23 जून को

शिमला: हिमाचल प्रदेश प्रो बॉक्सिंग एसोसिएशन द्वारा शिमला के रिज पर 23 जून को प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह की जयंती पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय प्रो बॉक्सिंग प्रतियोगिता करवाई जागएी। एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहिंद्र स्तान ने शिमला में प्रेस वार्ता में ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसका उद्घाटन प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल द्वारा करवाया जाएगा। इस दौरान हिमाचल प्रदेश प्रो बॉक्सिंग एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी का विस्तार भी किया गया। इसके तहत जिला शिमला का अरुण मेहता, सोलन का अजय कंवर, सिरमौर का दिनेश सिंगटा, किनौर का प्रताप नेगी, बिलासपुर का रजनीश मेहता, हमीरपुर का अखिलेश चौधरी, ऊना का सुमित शर्मा, चंबा का अजय ठाकुर, कांगड़ा का रोहित चौहान, मंडी का अजय मोदगिल, कुल्लू का हीरा लाल विभु, लाहुल स्पीति का दीपक कुमार को जिलाध्यक्ष बनाया गया। प्रतियोगिता में छह देशों के बॉक्सर भाग लेंगे। इसमें भारत, रशिया, साउथ कोरिया, फिलीपींस, उज्बेकिस्तान, थाईलैंड के बॉक्सर शामिल हैं। इस बार चैंपियनशिप में रोहडू की महिला बॉक्सर मीनाक्षी 60 किलोग्राम वर्ग में रूस की बॉक्सर के खिलाफ रिंग में उतरेंगी।

आईपीएल 2025 : आज ऋषभ पंत का सामना करने को अक्षर पटेल तैयार

लखनऊ क्रिकेट स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से टकराएंगे दिल्ली-एलएसजी के योद्धा

लखनऊ: दिल्ली कैपिटल्स जब मंगलवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स का सामना करेगी, तो उसकी उम्मीद रहेगी कि सलामी बल्लेबाज फॉर्म में लौटकर टीम को अच्छी शुरूआत देंगे। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज वर्तमान सत्र में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसने सलामी जोड़ी के रूप में अभी तक चार बल्लेबाजों के साथ तीन संयोजन आजमाए हैं, लेकिन इसके इसके बावजूद उसकी टीम पिछले पांच मैचों में पहले विकेट के लिए 23, 34, 00, 09 और 00 रन की साझेदारी ही निभा पाई है। दिल्ली ने अब तक फाफ डुप्लेसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल और करुण नायर को सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाया

है, लेकिन उसे अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। इसका संबंध डुप्लेसी की चोट से भी है और इस मैच से पहले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी की फिटनेस पर कड़ी नजर रहेगी। केएल राहुल की मौजूदगी वाले मध्यक्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

लेकिन लखनऊ की टीम में दिग्वेश राठी, रवि बिश्नोई, आवेश खान और शार्दुल ठाकुर जैसे कुशल गेंदबाज हैं, जिनके सामने दिल्ली के बल्लेबाजों को संभलकर खेलना होगा। आवेश खान की डेथ ओवरों की शानदार गेंदबाजी के कारण लखनऊ ने पिछले मैच में राजस्थान रॉयल्स को दो रन से हराया था, जिससे निश्चित तौर पर उसकी टीम का मनोबल बढ़ा होगा। लखनऊ की टीम के पास मिशेल मार्श, निकोलस पूरन और एडेन माक्ररम के रूप में शीर्ष क्रम में तीन धाकड़ बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अभी तक अपने अच्छे प्रदर्शन से टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है।

खेल का स्तर उठाने को द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेताओं को कोच नियुक्त करे सरकार

सोलन में वेटरन्स इंडिया स्पोर्ट्स विंग हिमाचल के टूर्नामेंट के समापन पर बोले अशोक ध्यानचंद

सोलन: हॉकी के महान खिलाड़ी जादूगर मेजर ध्यानचंद के बेटे और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अशोक ध्यानचंद ने भारत सरकार से महत्त्वपूर्ण अपील की है। उन्होंने सोलन में वेटरन्स इंडिया स्पोर्ट्स विंग हिमाचल द्वारा आयोजित टूर्नामेंट के समापन पर कहा कि द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित अनुभवी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और युवा हॉकी टीमों का कोच नियुक्त किया जाना चाहिए। अशोक ध्यानचंद ने कहा कि द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता कोचों के पास खेल का गहरा ज्ञान और खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने का उत्कृष्ट अनुभव होता है।

ऐसे कोच युवा प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन दे सकते हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर सकते हैं। वर्तमान भारतीय हॉकी टीम की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि टीम बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है और खिलाड़ियों के बीच अच्छा तालमेल है।

न्यूज ब्रीफ

भाजपा के इकबाल सिंह होंगे दिल्ली के नए मेयर, आप का चुनाव से किनारा

नई दिल्ली: विधानसभा चुनाव में हार के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) ने म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी) चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और दिल्ली के पार्टी अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने इसकी जानकारी दी। चुनाव 25 अप्रैल को होगा। पार्टी के प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों नेताओं ने कहा कि भाजपा ने पहले भी एमसीडी का चुनाव रुकवा दिया था। परिसीमन के दौरान वार्डों को इधर-उधर किया गया। परिसीमन के दौरान जबरदस्त गड़बड़ और भ्रष्टाचार किया गया। इसके बावजूद चुनाव हारी और आप की सरकार बनी। इसके बाद भी एमसीडी बैठकों में भाजपा पार्षदों द्वारा खूब तमाशा किया गया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हमारे पार्षदों को डराकर, धमकाकर, लालच देकर भाजपा अपने पाले में लाने की कोशिश में लगी हुई है, जिसके बाद हमने फैसला लिया है कि इस बार मेयर चुनाव में हम अपना उम्मीदवार नहीं उतारेंगे।

भारद्वाज ने कहा कि बगैर किसी बाधा के भाजपा अपना मेयर बना ले और चार इंजन की सरकार को बिना कोई बहाना बनाए चलाए और दिल्लीवालों को काम करके दिखाए। आप के इस फैसले के साथ ही दिल्ली मेयर के लिए भाजपा के उम्मीदवार का निर्विरोध निर्वाचन अब तय हो गया है। उधर, आप के प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद भाजपा ने मेयर और डिप्टी मेयर कैंडिडेट की घोषणा कर दी है। पार्टी ने सरदार राजा इकबाल सिंह को मेयर और जय भगवान यादव को डिप्टी मेयर कैंडिडेट बनाया है।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला का सपा-कांग्रेस पर हमला, महिला-विरोधी मानसिकता का लगाया आरोप

जयपुर: भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर महिलाओं के प्रति असंवेदनशील और अपमानजनक रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सपा सांसद रामजी लाल सुमन के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि सुमन ने एक दलित बच्ची के साथ हुए बलात्कार को मामूली घटना करार दिया और सुझाव दिया कि इस मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को मौके पर आने की कोई जरूरत नहीं है। पूनावाला ने इसे सपा की बलात्कारियों को बचाने वाली मानसिकता का स्पष्ट उदाहरण बताया और कहा कि यह उनकी संवेदनहीन सोच को दर्शार्ता है। पूनावाला ने सपा की मानसिकता को बॉयज विल बी बॉयज जैसा करार दिया, जहां बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों को हल्के में लिया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब सपा नेता नवाब यादव पर बलात्कार का आरोप लगा, तो डीएनए टेस्ट की मांग की जाती है, जब बलात्कारी उनके वोट बैंक से होता है, तो सपा चुप्पी साध लेती है। उन्होंने सुमन पर महावीर राणा सांगा जैसे ऐतिहासिक व्यक्तित्व का अपमान करने का भी आरोप लगाया, जिसे उन्होंने सपा की संकीर्ण सोच का हिस्सा बताया।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का नारा लड़की हूं, लड़ सकती हूं केवल दिखावा है, क्योंकि वह अपनी गठबंधन सहयोगी सपा के इस रवैये पर खामोश रहती है। पूनावाला ने कर्नाटक के कांग्रेस गृहमंत्री के उस बयान का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने यौन उत्पीड़न के मामलों को सामान्य घटना बताया। इसके अलावा, कांग्रेस नेता शांति धारीवाल के महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक बयान को भी उन्होंने दोनों पार्टियों की महिला-विरोधी और विकृत मानसिकता का हिस्सा बताया। पूनावाला ने कहा कि सपा और कांग्रेस का यह रवैया उनकी वोटबैंक की राजनीति को उजागर करता है। यही कारण है कि दोनों पार्टियां समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का विरोध करती हैं, क्योंकि यह उनके राजनीतिक हितों के खिलाफ है।

रामबन बाढ़: जम्मू-श्रीनगर हाईवे लगातार तीसरे दिन भी रहा बंद

जम्मू: जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे मंगलवार को लगातार तीसरे दिन भी बंद रहा। अधिकारियों ने कहा कि हाईवे को बहाल करने में पांच दिन और लगेंगे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के इंजीनियरों ने बताया कि हाईवे 22 स्थानों पर क्षतिग्रस्त है और मरम्मत का काम तेजी से किया जा रहा है। रविवार को रामबन जिले में अचानक आई बाढ़ के कारण हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 100 से अधिक लोगों को बचाया गया था। जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे का लगभग 4 से 5 किलोमीटर हिस्सा पूरी तरह बह गया और मलबे के नीचे कई वाहन दब गए। कई सौ यात्री हाईवे पर फंसे हुए हैं। अधिकारी फंसे हुए यात्रियों को आश्रय और भोजन उपलब्ध कराने के लिए आगे आए हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला राहत अभियान का व्यक्तिगत निरीक्षण करने और नुकसान का आकलन करने के लिए सोमवार को हाईवे पर काली मोड़ पहुंचे थे।

सीएम ने कहा था कि नुकसान बहुत बड़ा है, लेकिन आपदा स्थानीय स्तर पर हुई है। इसलिए इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित नहीं किया जा सकता। हालांकि, मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने आश्वासन दिया कि प्रभावित परिवारों को हर संभव राहत और सहायता प्रदान की जाएगी। वहीं, जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने केंद्र सरकार से प्रभावित परिवारों के लिए राहत राशि देने का अनुरोध किया है। इस बीच, कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर वीके बिधूड़ी ने घाटी के लोगों से फिर अपील की है कि वे घबराहट में खरीदारी न करें, क्योंकि यहां दो हफ्तों तक चलने के लिए खाद्यान्न और पेट्रोलियम उत्पादों का पर्याप्त भंडार है। लोग अपनी दैनिक जरूरत से कहीं अधिक पेट्रोल और डीजल खरीदने के लिए घाटी भर में पेट्रोल पंपों पर भीड़ लगा रहे हैं। गांदरबल जिले में एक पेट्रोल पंप के कर्मचारी ने कहा, घबराहट में की गई खरीदारी के कारण स्टॉक खत्म हो रहा है, क्योंकि हम हर दिन सामान्य से तीन गुना अधिक वाहन चालकों की भीड़ देख रहे हैं। दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले को जम्मू डिवीजन के राजौरी जिले से जोड़ने वाला मुगल रोड फिलहाल हल्के मोटर वाहनों (एलएमवी) के लिए एकतरफा यातायात के लिए खुला है। जम्मू-श्रीनगर हाईवे की नाकाबंदी के कारण हवाई टिकटों की भी होड़ मच गई है, क्योंकि घाटी से बाहर जाने वाले पर्यटक और स्थानीय लोग स्थलीय यात्रा की अनिश्चितता के मुकाबले हवाई यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब की यात्रा पर जेद्दा रवाना

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को सऊदी अरब की दो दिन की यात्रा पर जेद्दा के लिए रवाना हो गए। श्री मोदी ने रवाना होने से पहले अपने वक्तव्य में कहा कि आज मैं क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर सऊदी साम्राज्य की दो दिवसीय राजकीय यात्रा शुरू कर रहा हूं। भारत सऊदी अरब के साथ अपने लंबे और ऐतिहासिक संबंधों को गहराई से महत्व देता है, जिन्होंने हाल के वर्षों में रणनीतिक गहराई और गति हासिल की है। साथ में, हमने रक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और लोगों से लोगों के बीच संबंधों के क्षेत्र सहित पारस्परिक रूप से लाभकारी और ठोस साझीदारी विकसित की है। क्षेत्रीय शांति, समृद्धि, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने को लेकर हमारे साझे हित और प्रतिबद्धता है।

श्री मोदी कहा कि पिछले एक दशक में सऊदी अरब की यह मेरी तीसरी यात्रा होगी और ऐतिहासिक शहर जेद्दा की पहली यात्रा होगी। मैं रणनीतिक साझेदारी परिषद की दूसरी बैठक में भाग लेने और 2023 में अपने भाई प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की भारत की अत्यधिक सफल राजकीय यात्रा सुनिश्चित करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा कि मैं सऊदी अरब में जीवंत भारतीय समुदाय के साथ जुड़ने के लिए भी उत्सुक हूं जो हमारे राष्ट्रों के बीच जीवंत सेतु के रूप में काम कर रहा है और सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को मजबूत करने में अपार योगदान दे रहा है। श्री मोदी आज अपराह्न प्रवासी भारतीय समुदाय से संवाद करेंगे और शाम को शाही महल में क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ द्विपक्षीय बैठक में शामिल होंगे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने परिवार संग देखा जयपुर का आमेर किला, राजस्थानी संस्कृति का लिया आनंद

जयपुर: अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अपनी पत्नी उषा वेंस और तीन बच्चों के साथ मंगलवार सुबह आमेर के किले का दौरा किया। चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आए जेडी वेंस परिवार सहित देर रात जयपुर पहुंचे। वह अपने परिवार के साथ ऐतिहासिक रामबाग पैलेस में ठहरे हैं। सुरक्षा कारणों से आमेर किले को पहले ही खाली करा लिया गया और पर्यटकों का प्रवेश बंद कर दिया गया। वेंस और उनका परिवार हाठी स्टैंड से खुले जीप में किले पहुंचे। रास्ते में उन्होंने किले की बाहरी वास्तुकला, मावठा सरोवर और केसर क्यारी बाग देखा। जालेब चौक में दो हथनियों, पुष्पा और चंदा ने पारंपरिक राजस्थानी गहनों और परिधानों में सजकर वेंस परिवार का स्वागत किया। पुष्पा ने वेंस को आशीर्वाद दिया, जबकि चंदा ने उनके गले में फूलों की माला डाली।

महावत बल्लू खान ने बताया कि दोनों हथनियों को 350 साल पुराने गहनों जैसे हार और पायल से सजाया गया था। राजस्थानी लोक कलाकारों ने वेंस के स्वागत में परफॉर्मेंस दी। इसके बाद एक गाइड ने वेंस और उनके परिवार को किले का भ्रमण कराया।

किले के बाद वेंस पन्ना मीणा कुंड और अनोखी संग्रहालय जाएंगे। आमेर का दौरा पूरा करने के बाद वेंस परिवार रामबाग पैलेस में थोड़ा आराम करेगा। दोपहर 2:45 बजे वेंस राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में अमेरिकी व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इस सम्मेलन में भारत और अमेरिका के बीच व्यापार व द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा होगी।

दोपहर के भोजन से पहले वेंस को जयपुर के प्रमुख स्थलों जैसे जल महल, हवा महल और शहर की गुलाबी वास्तुकला के बारे में जानकारी दी जाएगी। उनके लिए पारंपरिक राजस्थानी भोजन परोसा जाएगा।

शाम को वेंस रामबाग पैलेस में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से मुलाकात करेंगे। इस दौरान भारत-अमेरिका सहयोग कार्यक्रमों और आर्थिक साझेदारी पर बात होगी।

आमेर किले और आसपास के इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां, स्थानीय पुलिस और खुफिया टीमें वेंस और उनके परिवार की सुरक्षा के लिए मुस्तैद हैं।

अधिकारियों के अनुसार, 23 अप्रैल को वेंस सुबह 9 बजे जयपुर एयरपोपोर्ट से आगरा के लिए रवाना होंगे। वह ताजमहल परिसर में तीन घंटे बिताएंगे और दोपहर 2 बजे के बाद जयपुर लौटेंगे। यहां वह सिटी पैलेस जाएंगे, जहां उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी उनका गर्मजोशी से स्वागत करेंगी। 24 अप्रैल की सुबह वेंस अमेरिका के लिए रवाना होंगे।

हाई कोर्ट का सख्त रुख, केंद्र से मांगा स्पष्ट जवाब

राहुल गांधी भारत के नागरिक हैं या नहीं, दस दिन में बताओ

लखनऊ: राहुल गांधी की नागरिकता से जुड़े मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार को दस दिन में अपना रुख स्पष्ट करने का आदेश दिया है। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि राहुल गांधी भारतीय नागरिक हैं या नहीं। जस्टिस एआर मसूदी और जस्टिस अजय कुमार श्रीवास्तव प्रथम की खंडपीठ के सामने सोमवार को मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने एक स्टेटस रिपोर्ट भी पेश की। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह सिर्फ यह जानना चाहते हैं कि राहुल गांधी नागरिक हैं या नहीं। मामले की अगली सुनवाई पांच मई को होगी।

आरबीआई का बड़ा फैसला

अब 10 साल के बच्चे भी चला सकेंगे अपना सेविंग अकाउंट

नई दिल्ली: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बच्चों को वित्तीय रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। अब 10 साल या उससे अधिक उम्र के बच्चे अपना बैंक खाता खुद ऑपरेट कर सकेंगे। यह नई व्यवस्था जुलाई 2025 से देश के सभी वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में लागू होगी। फ्ठकने यह निर्णय बच्चों को बैंकिंग के प्रति जागरूक करने और उन्हें वित्तीय जिम्मेदारियों को समझने का मौका देने के लिए लिया है। इससे माता-पिता को भी बच्चों को स्वतंत्रता देने में आसानी होगी।

बदलावों में मुख्य तौर पर 10 साल या उससे अधिक उम्र के बच्चे खुद से सेविंग और फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट ऑपरेट कर सकेंगे। सभी बैंकों को निकासी और जमा सीमा को लेकर अपने-अपने नियम तय करने की छूट दी गई है। यह नियम उन खातों पर भी लागू होंगे जो माता-पिता द्वारा खोले गए हैं लेकिन बच्चों द्वारा ऑपरेट किए जा रहे हैं। 18 वर्ष की उम्र होते ही खाताधारक का नया केवाईसी और हस्ताक्षर लिया जाएगा। खाता खोलने के लिए आधार कार्ड जैसे दस्तावेज अनिवार्य होंगे।

आरबीआई ने सभी बैंकों को जुलाई 2025 से पहले आवश्यक बदलाव लागू करने और तकनीकी व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचा जा सके। इस फैसले से न केवल बच्चों में वित्तीय समझ विकसित होगी, बल्कि यह भविष्य की जिम्मेदार नागरिकता की दिशा में भी एक अहम कदम साबित होगा।

बिहार: प्रशांत किशोर ने दी राज्यव्यापी आंदोलन की धमकी, नीतीश सरकार से तीन मांग

पटना: प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के खिलाफ राज्यव्यापी आंदोलन शुरू करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर वह जाति सर्वेक्षण कार्यान्वयन, भूमि वितरण और भूमि सर्वेक्षण में भ्रष्टाचार से संबंधित तीन प्रमुख मांगों को पूरा करने में विफल रहती है तो वह आंदोलन शुरू करेंगे। किशोर ने सरकार को एक महीने की समयसीमा दी, अगर मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो हस्ताक्षर अभियान, बड़े पैमाने पर लामबंदी और मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव करने की चेतावनी दी।

किशोर ने कहा कि अगर राज्य की एनडीए सरकार हमारी तीन मांगें नहीं मानती है, तो जन सुराज 11 मई से राज्य भर के 40,000 राजस्व गांवों में हस्ताक्षर अभियान चलाएगा। उन्होंने कहा कि 11 जुलाई को हम एक करोड़ लोगों से हस्ताक्षर एकत्र करने के बाद सरकार को ज्ञापन सौंपेंगे। अगर तब भी हमारी मांगों को नजरअंदाज किया जाता है, तो हम विधानसभा के अगले मानसून सत्र के दौरान विधानसभा का घेराव करेंगे, जो इस साल के अंत में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों से पहले आखिरी सत्र होगा। किशोर की पहली मांग 7 नवंबर, 2023 को बिहार विधानसभा में पेश किए गए जाति सर्वेक्षण के निष्कर्षों पर लक्षित है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 6,000 रुपये प्रति माह से कम कमाने वाले 94 लाख परिवारों को एकमुश्त 2 लाख रुपये की सहायता देने का वादा किया था, लेकिन किसी को भी सहायता नहीं मिली। किशोर ने कहा, एक भी परिवार को यह सहायता नहीं मिली है। हम सरकार से एक महीने के भीतर इस पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग करते हैं। उन्होंने सर्वेक्षण के आधार पर प्रस्तावित 65 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने में देरी पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, इस सर्वेक्षण के आधार पर 65 प्रतिशत आरक्षण बढ़ाने का वादा किया गया था, लेकिन उसका क्या हुआ? दूसरी मांग दलित और महादलित परिवारों के लिए भूमि वितरण से संबंधित है। किशोर ने कहा कि 50 लाख बेघर या भूमिहीन परिवारों में से जिन्हें तीन डिसमिल जमीन मिलनी थी, उनमें से केवल दो लाख को ही भूखंड आवंटित किए गए हैं, वह भी ज्यादातर कागजों पर।

विश्व पृथ्वी दिवस : नेताओं ने दी शुभकामनाएं, धरती को हरा-भरा बनाने का संकल्प

नई दिल्ली: हर साल 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद पर्यावरण संरक्षण की तरफ ध्यान खींचना है। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर नेताओं ने पर्यावरण संरक्षण और धरती को स्वच्छ व हरा-भरा बनाने का संकल्प दोहराया। केंद्रीय मंत्रियों, मुख्यमंत्रियों और अन्य नेताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से विश्व पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं दीं और प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी के लिए प्रेरित किया।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, विश्व पृथ्वी दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। पृथ्वी जीवन को पोषित करती है और हमारे विकास के लिए आवश्यक पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करती है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम पृथ्वी के स्वास्थ्य की रक्षा और संवर्धन के लिए अत्यंत सावधानी से परोपकार करें। मोदी सरकार सतत विकास के लिए वैश्विक पहलों को आगे बढ़ा रही है, और अटूट प्रतिबद्धता के साथ इस उद्देश्य की पूर्ति कर रही है। मैं उन संरक्षणवादियों की भी सराहना करता हूं जो हमारे ग्रह को बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पर लिखा, इस पृथ्वी दिवस पर, आइए हम उस ग्रह की रक्षा करने की अपनी प्रतिज्ञा को फिर से दोहराएं करें जो हमें पोषित करता है। हर छोटा-मोटा काम मायने रखता है। पेड़ लगाने से लेकर पानी बचाने तक। साथ मिलकर, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक हरी भरी, स्वच्छ और अधिक टिकाऊ दुनिया बना सकते हैं। पृथ्वी दिवस की शुभकामनाएं, बेहतर कल के लिए आज ही काम करें!

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एक्स पर लिखा, माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः विश्व पृथ्वी दिवसह्ल पर सभी नागरिकों व प्रकृति प्रेमियों को हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर हम सब अपनी धरती को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने का संकल्प लें। पौधे लगाएं, उनकी देखभाल करें।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर लिखा, विश्व पृथ्वी दिवस पर प्रदेशवासियों व पर्यावरण संरक्षण हेतु समर्पित सभी जन को हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, भारतीय संस्कृति के उद्घोष माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः का अनुगमन कर संपूर्ण सृष्टि की पालनहार एवं जीवनरेखा धरती माता को हरा-भरा एवं स्वच्छ रखने हेतु संकल्पित हों।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक्सपर लिखा, माता भूमिः, पुत्रो अहं पृथिव्या, विश्व पृथ्वी दिवस की समस्त देश व प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर हम संकल्प लें कि धरती माता को हरा-भरा, स्वच्छ व प्रदूषणमुक्त बनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुंदर भविष्य सुनिश्चित करें।

भाजपा सांसद रवि किशन ने एक्स पर लिखा, माता भूमिः, पुत्रो अहं पृथिव्या , विश्व पृथ्वी दिवस की समस्त देशवासियों को शुभकामनाएं! आइए, इस अवसर पर हम संकल्प लें कि धरती माता को हरा-भरा, स्वच्छ व प्रदूषणमुक्त बनाकर आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुंदर भविष्य सुनिश्चित करें।

राजस्थान की डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने एक्स पर लिखा, आप सभी को विश्व पृथ्वी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, इस अवसर पर हम सभी पृथ्वी को स्वच्छ, सुंदर, हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाने का संकल्प लें।

न्यूज ब्रीफ

सांसद कालीचरण मुंडा समाहरणालय पहुंचे

सिमडेगा : खूंटी सांसद कालीचरण मुण्डा समाहरणालय पहुंचे। इस दौरान उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक सौरभ एवं उप विकास आयुक्त श्री संदीप कुमार दोराईबुरु ने पुष्प गुच्छ भेंट देकर स्वागत किया। सांसद की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में दिशा से संबंधित बैठक आयोजित की गई है। इस दौरान जिले की विकास कार्यों एवं योजनाओं की समीक्षा कर पदाधिकारियों को निर्देशित करेंगे।

रक्तदान शिविर में 11 यूनिट रक्त दिया गया संग्रह

चैनपुर: चैनपुर प्रखंड के कौशल विकास भवन में आज, सोमवार को उपयुक्त कर्ण सत्यार्थी के आदेशानुसार एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना और जरूरतमंदों को रक्त उपलब्ध कराना था।रक्तदान शिविर का संचालन गुमला से आए लैब टेक्नीशियन राकेश सिंह और उनकी टीम द्वारा किया गया। शिविर में ग्रामीणों के साथ-साथ पत्रकारों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। यह कार्यक्रम प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. धर्मनाथ ठाकुर और चैनपुर की मुखिया शोभा देवी सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया।रक्तदान के महत्व को बताते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा ने कहा, ₹रक्तदान न केवल जीवनरक्षक है, बल्कि यह समाज में एकता और सहयोग की भावना को भी दशार्ता है। हर एक व्यक्ति को इस पुनीत कार्य में भाग लेना चाहिए।₹ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. धर्मनाथ ठाकुर ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा, ₹आपकी एक छोटी सी कोशिश किसी के जीवन को बचा सकती है। रक्तदान एक महान कार्य है, और हमें इसे बढ़ावा देना चाहिए।₹शिविर में उपस्थित सभी लोगों ने रक्तदान के महत्व पर चर्चा की और ग्रामीणों को इसके प्रति जागरूक करने की दिशा में एकजुटता दिखाई। कई लोगों ने अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिससे शिविर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। रक्तदान शिविर की इस पहल से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और रक्त की कमी को दूर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।इस आयोजन के अंतर्गत, सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र फॉर्म भर कर दिया जायगा और उन्हें उनकी इस अद्भुत उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया। आयोजकों ने सभी का दिल से धन्यवाद किया और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन जारी रखने का आश्वासन दिया।

काम की तलाश में मुंबई जा रहा युवक गायब

गुमला : गुमला जिला अंतर्गत स्थित पालकोट प्रखण्ड के बाघिमा पाहन टोली ग्राम निवासी 37 वर्षीय बिरिम बिलूंग अपने साथियों से साथ 10 जनवरी 2025 काम को अपने साथियों के साथ गोवा जाने के लिए अपने दोस्तों के साथ निकाला था, इसी क्रम में वह शिवाजी महाराज रेलवे स्टेशन मुंबई से एकाएक रहस्य में ढंग से हुआ गायब और अबतक उसका कोई अता-पता नहीं चला रहा हैं, उसकी बहन एवं परिजनों ने गुमला जिला मुख्यालय में आकर संबंधित पदाधिकारीयों को आवेदन देकर खोजने की गुहार लगाई हैं।

न्यायालय के निर्देश पर वाहन जांच अभियान चलाया गया

गुमला : गुमला न्यायायल के निदेर्शानुसार वाहन जांच अभियान चलाया गया , जिसके तहत, घाघरा थाना के मुख्य गेट के समीप सोमवार को दिन के 1 बजे पुलिस ने चलाया वाहन जांच अभियान, चलाकर लगभग एक दर्जन वाहनों को किया जप्त,

घाघरा थाना के मुख्य गेट के समीप घाघरा थाना पुलिस ने गुमला न्यायालय के निदेर्शानुसार वाहन जांच अभियान चलाया।इस क्रम में दो चक्के वाहनों को रोक-रोकर वाहन से संबंधित कागजात , ड्राइविंग लाइसेंस,हेलमेट,ड्रंक एंड ड्राइव व कई दस्तावेजों की जांच की गई। इस क्रम में लगभग एक दर्जन से ऊपर वाहनों को जप्त किया गया।जिसमें हेलमेट वाहन से संबंधित कागजात नहीं थे। वही पुलिस ने यह भी बताया कि अत्यधिक सड़क दुर्घटना बिना हेलमेट,नशा पान करके वाहन चलाने और नाबालिक बच्चों को वाहन चलने के कारण हो रही है ।जिसे लेकर माननीय गुमला न्यायालय द्वारा निर्देश प्राप्त वाहन जांच अभियान चलाया गया इसमें एक दर्जन ऊपर वाहनों को पकड़ा गया है। अग्रेतर करवाई हेतु न्यायालय और परिवहन विभाग को सूचित कर दिया गया है।

सदर अस्पताल में भी हृदय, मूत्र, फेफड़े की बीमारियों का होगा इलाज

जमशेदपुर : जमशेदपुर के सदर अस्पताल में अब बड़ी बीमारियों का भी इलाज हो सकेगा। यहां इस महीने के अंत तक हृदय रोग, फेफड़ा, मूत्र रोग (यूरोलॉजी) और डायबिटीज का इलाज विशेष डॉक्टर करेंगे। पहले फिजिशियन ही इलाज कर रहे थे। जमशेदपुर के सरकारी अस्पतालों में फेफड़ा, मूत्र रोग व शुगर के विशेषज्ञ नहीं हैं। एमजीएम में भी जनरल फिजिशयन ही हैं, जो इन सभी बीमारियों का इलाज करते हैं। हृदय रोग के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर का पिछले दिनों एमजीएम डिमना में नए डॉक्टर का चयन हुआ है। इन सभी बीमारियों के लिए सदर अस्पताल में डॉक्टरों का चयन कर लिया गया है। ये डॉक्टर जल्द ही बैठेंगे।

फेफड़ा रोग के लिए डॉक्टर विनायक, मूत्र रोग के लिए डॉ. अजय अग्रवाल, हृदय रोग के लिए डॉ. अभय कृष्णा और डायबिटीज मरीजों का इलाज डॉ. राम कुमार करेंगे। डॉ. राम कुमार ने अस्पताल में बैठना शुरू भी कर दिया है। शेष डॉक्टरों के लिए चैम्बर तय कर लिया गया है। जल्द ही ये डॉक्टर भी अपनी सेवा ओपीडी में देने लगेंगे। आवश्यकता होगी तो ये लोग मरीज को अस्पताल में भर्ती भी कर सकेंगे। इन डॉक्टरों के लिए अलग-अलग दिन तय कर दिया गया है। ये सभी डॉक्टर दोपहर 12 से 3 बजे तक मरीजों को देखेंगे। डॉ. अभय कृष्ण मंगलवार, डॉ. अजय अग्रवाल बुधवार, डॉ. रामकुमार गुरुवार और डॉ. विनायक शनिवार को बैठेंगे।

प्रधानमंत्री ने गुमला डीसी को किया सम्मानित

सिविल सेवा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को किया गया सम्मानित

गुमला : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सिविल सेवा दिवस पर आयोजित सम्मान समारोह में उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी को *प्राइम मिनिस्टर अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार वर्ष 2023 के लिए दिया गया। यह अवॉर्ड सिविल सेवा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को अपने जिले में उत्कृष्ठ एवं समग्र विकास करने के लिए दिया जाता है। इसी कड़ी में आज गुमला जिले को एक बार फिर से प्रधानमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। गुमला जिले को लगातार दूसरी बार यह उपलब्धि हासिल हुई है। जो भारत सरकार की 12 प्रमुख योजनाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन और ज़िले में किए गए नवाचारों और प्रभावशाली पहलों के लिए दिया गया है।

जिले में समग्र विकास एवं नवाचार पहल से मिली सफलता

इस पुरस्कार समारोह में उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में गुमला जिले की दो प्रमुख नवाचार पहलों का विशेष रूप से उल्लेख किया:

प्रोजेक्ट किशोरी - डुमरी प्रखंड की स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित यह पहल किशोरियों के मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता को लेकर स्थानीय स्तर पर सेनेटरी पैड के निर्माण और वितरण पर केंद्रित है।

उज्जना-बिज्जना अभियान - यह आजीविका उन्नयन के लिए शुरू किया गया नवाचारी अभियान है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण समुदायों, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त बनाकर उन्हें आय के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

इस उपलब्धि के साथ, गुमला जिला ने लगातार चार वर्षों तक प्रधानमंत्री पुरस्कार के फाइनलिस्ट बनने का दुर्लभ गौरव प्राप्त किया है:

2021 - नवाचार श्रेणी में ग्राम संपत्ति डिजिटल एसेट रजिस्टर के लिए फाइनलिस्ट।

2022 - आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत विजेता।

2023 - ज़िलों के समग्र विकास श्रेणी में विजेता।

2024 - डुमरी प्रखंड के बेहतरीन कार्यों के लिए आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के तहत फाइनलिस्ट।

इस सफलता का श्रेय जिला प्रशासन की टीम को

उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रखंड और जिला स्तर के अधिकारियों की कड़ी मेहनत को दिया। उन्होंने कहा, यह सम्मान सिर्फ मेरे लिए नहीं, बल्कि उस पूरी टीम का है जो जनता की सेवा में दिन-रात जुटी रही। साथ ही साथ जिले के जागरूक नागरिकों के अथक प्रयासों का परिणाम है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने गुमला ज़िले के सभी नागरिकों को ढेरों बधाई दिया है। उन्होंने कहा यह पुरस्कार आप सभी के सहयोग, संकल्प और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह सम्मान हमें और मेहनत करने की प्रेरणा देता है। जिला प्रशासन अब और बेहतर योजनाओं के साथ विकास को गति देने को तैयार है।

जेएलएन कॉलेज के छात्रों ने रचा इतिहास

तिरपन वर्षों के पश्चात आए एक दूसरे के पास

बिनय मिश्रा

कब के बिछड़े हुए हम आज कहाँ आके मिले
बने चाहे दुश्मन जमाना हमारा
सलामत रहे दोस्ताना हमारा
बड़ी दूर से आए हैं प्यार का तोहफा लाए हैं

ये सभी गाने सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं है बल्कि जीवन से भी जुड़े हुए हैं चक्रधरपुर स्थित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में एक साथ पढ़ाई करने वाले वर्ष 1971 से 1973 तक एक साथ रहने और शिक्षा ग्रहण करने वाले गिरधारी दोदराजका एवं पप्पू दोदराजका के सार्थक पहल से चक्रधरपुर स्थित सीकेपी दरबार में तिरपन वर्षों के पश्चात सभी छात्र एकत्रित हुए। विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर पदस्थापित रहने तथा सेवानिवृत्त हो जाने के पश्चात भले ही काया ढ़ल गई हो शरीर युवा से वृद्ध हो चला हो पर मित्रता अभी भी बरकरार है। कुछ मित्र जमशेदपुर कुछ हैदराबाद तो कुछ बैंगलोर से भी मित्रता का साक्षी बनने पहुंचे यह निश्चित तौर पर ऐतिहासिक उपलब्धि और सच्ची मित्रता का जीवंत उदाहरण है। हमें ऐसे मित्रों से प्रेरणा लेनी चाहिए और इन्हें आदर्श बनाना चाहिए।

आज इस समारोह में मित्रों में पी बी आर रेड्डी बैंगलोर से पहुंचे, वहीं डीसीबी आर मूर्ति, उमेश कुमार, रामेश्वर शर्मा, गिरधारी दोदराजका, मिथलेश बर्मन के अलावे मित्र भी उपस्थित हुए।

चक्रधरपुर नगर परिषद के दास्तां : एक

चक्रधरपुर नगर परिषद 1918 में स्थापित होने के पश्चात चक्रधरपुर के निरंतर सुविधा और जनमानस की सुधि लेने के कारण पहचाना जाता रहा वर्तमान समय में चक्रधरपुर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी प्रशासक राहुल कुमार यादव के उदासीनता के फल स्वरुप चक्रधरपुर शहर में सुविधाओं का तो अभाव है ही साथ ही साथ लोगों को हमेशा परेशानियों से जूझना पड़ रहा है इसकी प्रमुख वजह यह है कि राहुल कुमार के योगदान देने के पश्चात से नगर परिषद दिनों दिन सुविधाओं से वंचित होता रहा है ऐसा लोगों का मानना है सफाई व्यवस्था एक और जहां पूर्ण रूप से ध्वस्त है वही गर्मी के आगमन पर विगत कई दिनों से निरंतर जला पूर्ति ठप रहने से आक्रोशित लोगों ने नगर परिषद का घेराव किया चक्रधरपुर के अंचल अधिकारी सुरेश कुमार सिंहा के आश्वासन के पश्चात लोगों ने उक्त जाम को हटाया इस दौरान उपस्थित जनमानस ने एक स्वर में वर्तमान कार्यपालक पदाधिकारी राहुल कुमार यादव को हटाने की पुरजोर तरीके से मांग की कभी चक्रधरपुर नगर परिषद सुविधाओं और लोगों की सुविधा के फल स्वरुप पहचाना जाता था वर्तमान समय में इसकी स्थिति काफी दयनीय हो चली है किंतु कार्यपालक पदाधिकारी को इन बातों से कुछ लेना-देना नहीं है उनके पदस्थापना काल के पश्चात से चक्रधरपुर नगर परिषद काफी दयनीय स्थिति और विवाद के कारण पहचाना जाता है कार्यपालक पदाधिकारी की कार्य प्रणाली और गतिविधि की जानकारी पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त कुलदीप चौधरी को भी दी गई है

आईआईटी और सिंफर को पानी कनेक्शन देगा नगर निगम

धनबाद : शहर के बड़े उपभोक्ताओं को पानी कनेक्शन देने को लेकर नगर निगम में समीक्षा बैठक का आयोजन किया। नगर निगम प्रशासक रविराज शर्मा के कक्ष में शहर के बड़े संस्थागत जल उपभोक्ताओं के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य शहरी जलापूर्ति में बड़े संस्थाओं को पानी कनेक्शन देना था। आईआईटी आईएसएम ने अपनी बढ़ती खपत के आलोक में डेडिकेटेड पाइपलाइन के लिए आवेदन किया है, जिस पर नगर आयुक्त के निर्देश से तकनीकी विश्लेषण उपरांत पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल एस्टीमेट तैयार कर संस्था को भेजा जा चुका है। सिंफर ने भी इसी तर्ज पर अगले 20 वर्षों की खपत के अनुमान पर आवेदन देकर जल संयोजन मांगा है। इस बैठक में रेलवे के प्रतिनिधि भी शामिल हुए थे, जिसमें उन्हें डेडिकेटेड लाइन लेने का निर्देश दिया गया। नगर प्रशासक एवं अभियंताओं के समक्ष विमर्श में इस बात पर विस्तृत चर्चा हुई कि बड़े संस्थाओं को अलग से कनेक्शन देकर शहर की जलमीनारों से बाधा रहित जलापूर्ति हो सकेगी, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को अधिक पानी मिल सकेगा। साथ ही कम प्रेशर की समस्या से मुक्ति मिलेगी। बैठक में धनबाद रेलवे डिवीजन के अभियंताओं को अविलंब पानी बिल का भुगतान कराने के लिए कहा गया। संस्थागत कनेक्शन में होने वाले व्यय का भुगतान संबंधित संस्थान से कराया जाना है।

26 अप्रैल तक चलेगी खड़गपुर से भिवंडी स्पेशल ट्रेन

जमशेदपुर : यात्रियों की भीड़ के कारण रेलवे लगातार स्पेशल ट्रेनों को चला रहा है। इससे टाटानगर होकर संतरागाछी से अजमेर और टाटानगर होकर खड़गपुर से महाराष्ट्र भिवंडी स्पेशल ट्रेन का परिचालन 26 अप्रैल होगा। दूसरी ओर, पुरी से पटना के लिए साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 29 जून, सिकंदराबाद के चार्लापल्ली से बिहार पटना के लिए से 30 मई तक जहानाबाद, गया, कोडरमा, होकर स्पेशल ट्रेन चलाने का आदेश है।

सरायढेला के लोगों को एक हफ्ते झेलना होगा बिजली संकट

धनबाद : सरायढेला क्षेत्र के लोगों को एक सप्ताह तक बिजली संकट झेलना होगा। पीएमसीएच सब स्टेशन से निकाले गए बिग बाजार फीडर की बिजली रोज तीन-चार घंटे बाधित कर मेंटेनेंस किया जा रहा है। सहायक अभियंता ऋषि सागर श्रीवास्तव का कहना है कि यूटिलिटी शिफ्टिंग वर्क किया जा रहा है। जिस क्षेत्र में लोड अधिक है, उसे कम किया जा रहा है। इसके लिए बिजली काटी जा रही है। काम पूरा होने के बाद स्थानीय लोगों को पर्याप्त वोल्टेज के साथ अच्छी बिजली मिलेगी। इससे लोगों को राहत मिलेगी।

बिग बाजार फीडर की बिजली बाधित होने से सरायढेला के चाणक्य नगर, गोल बिल्डिंग, सहयोगी नगर, निलांचल कॉलोनी, शक्ति विहार कॉलोनी, स्टीलगेट सहित आसपास क्षेत्र में बिजली काटी जा रही है।

कोलेबिरा डैम में डुबे युवक के शव को एनडीआरएफ की टीम ने निकाला बाहर

मेट्रो रेज संवाददाता

कोलेबिरा : कोलेबिरा डैम में डूबे युवक को एनडीआरएफ की टीम ने 3:30 घंटे मशक्कत करने के बाद ढूंढ निकाला। ज्ञात हो कि कोलेबिरा प्रखंड के नवा टोली पंचायत अंतर्गत सारंग पानी निवासी आदित्य केरकेट्टा के 17 वर्षीय पुत्र पृथ्वीराज केरकेट्टा रविवार दोपहर 12:30 बजे के आसपास डेम में नहाने के क्रम में डूब गया था जिसकी सूचना मिलने पर कोलेबिरा पुलिस के द्वारा स्थानीय गोताखोर की मदद से शव को ढूंढ निकालने में के लिए काफी मशक्कत किया था किंतु सफलता नहीं मिली तत्पश्चात प्रखंड प्रशासन के द्वारा उपयुक्त सिमडेगा को दी गई।उपायुक्त सिमडेगा ने शव को ढूंढने के

लिए एनडीआरएफ की एक टीम रांची से बुलवायाम सोमवार दोपहर 12:00 बजे एनडीआरएफ की दो टीम डेम मे शव ढूंढने के लिए उत्तरी लगभग 3:30 घंटा डैम में सकट करने के बाद एमडीआरएफ टीम को सफलता मिली और शव को बाहर निकाला। शव के बाहर निकलते ही मृतक के परिजन दहाड़ मार कर रोने लगे जिससे सारा माहौल गमहीन हो गया। इधर कोलेबिरा पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिमडेगा भेज दिया।एनडीआरएफ टीम के ग्रुप लीडर सूरज कुमार ने बतलाया कि उन्हें जिला प्रशासन के द्वारा सूचना मिली की कोलेबिरा डैम में रविवार दोपहर एक युवक डूब गया है जिसके शव निकालने के लिए स्थानीय गोताखोरों के द्वारा काफी प्रयास किया गया किंतु रविवार रात तक शव नहीं बरामद हो पाई थी. जिला प्रशासन के निवेदन पर एनडीआरएफ की एक टीम सोमवार सुबह कोलेबिरा पहुंची और लगभग 3:30 घंटे के मस्कट के बाद शव को डेम से ढूंढ निकाला. शव को डेम से निकालने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी वीरेंद्र किंडो, बानो सर्किल इंस्पेक्टर, कोलेबिरा थाना के प्रभारी सकलदेव महतो ,सब इंस्पेक्टर बन बिहारी महतो, प्रखंड प्रमुख दूतमी हेमरोम, अंचल निरीक्षक संजीवन बडाईक, जिला परिषद अध्यक्ष रोज प्रतिमा सोरेन सुबह से ही डटे रहे।

धनबाद से मुंबई के लिए मिली एक और एसी स्पेशल ट्रेन

धनबाद : धनबाद-लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) एसी स्पेशल की सफलता के बाद रेलवे ने धनबाद से मुंबई (एलटीटी) के बीच एक और स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है। धनबाद से 26 अप्रैल से 28 जून के बीच हर शनिवार और लोकमान्य तिलक टर्मिनस से हर रविवार को स्पेशल ट्रेन चलेगी।

पूर्व से चल रही 03379-03380 धनबाद-एलटीटी-धनबाद एसी स्पेशल भी चलती रहेगी। सबसे अच्छी बात है कि 03315-03316 धनबाद-एलटीटी-धनबाद स्पेशल ट्रेन नियमित ट्रेन मुंबई मेल की तरह 33 घंटे 30 मिनट में ही धनबाद से एलटीटी का सफर तय कर लेगी। यह ट्रेन भी कतरास, चंद्रपुरा, गढ़वा, चोपन होकर चलेगी। नई स्पेशल ट्रेन रात की बजाय सुबह में धनबाद से रवाना होगी।

जमशेदपुर में जल्द बनेगा पीपीपी मोड में नया अस्पताल : इरफान अंसारी

मेट्रो रेज संवाददाता

जमशेदपुर : स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जमशेदपुर में जल्द ही पीपीपी मोड पर नया अस्पताल बनेगा और स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर होंगी। वहीं उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने अभी सांप को मारा है, सिर कुचलना अभी बाकी है।

जमशेदपुर दौरे पर आए झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य विभाग में संविदा पर नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन, विधायक मंगल कालिंदी, विधायक समीर मोहंती, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू सहित जिले के उपायुक्त और कई अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत एएनएम आरसीएच, स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट आदि विभिन्न पदों पर 201 अभ्यर्थियों को स्वास्थ्य मंत्री ने नियुक्ति पत्र सौंपा। वर्तमान राज्य सरकार के प्रयास से अब इन रिक्त पदों को भरा जा रहा है, जिससे

रोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। उन्होंने कहा कि जमशेदपुर में जल्द ही पीपीपी मोड पर नया अस्पताल बनेगा, झारखंड में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होंगी, गरीबों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

राजनीति पर बात करते हुए स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि अभी तो हमने चुनाव में सांप को मारा है, सिर कुचलना बाकी है। भाजपा की नीति को हराना है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता सीपी सिंह बाबूलाल मरांडी दंगाई हैं, वे समाज में दंगा और नफरत फैलाने का काम करते हैं, सीपी सिंह जेल जाएंगे।